

**राज**

**कॉमिक्स  
विशेषांक**

मूल्य 40.00 संख्या 670

# नागाधीश



नागराज का  
एक पोस्टर  
मुफ्त

**नागराज**  
सुपरकमांडोध्रुव



नाश-कानून से ऊपर कोई नहीं होता! न तो कोई इच्छाधारी नाग, न ही नागद्वीप सम्राट और न ही महात्मा कालदूत

नागों का कानून बताता है, नागसंहिता! और इस नागसंहिता में लिखे 'सर्प-संविधान' के अनुसार फैसला सुनाता है नाग्यालय का प्रमुख न्यायाधीश...

# नागाधीश

संजय गुप्ता  
की पेशकश

कथा एवं कथानक:

जॉली  
सिन्हा

चित्र:

अनुपम  
सिन्हा

इकिंग:

विनोद  
कुमार

सुलेख, रंगसज्जा:

सुनील  
पाण्डेय

संपादन:

मनीष  
गुप्ता





महानगर के तान में जड़ा  
सया नवीनतम हीरा है-

अंडरग्राउंड मेट्रो-

सलह से 27 मीटर नीचे बनी 'ट्यूब-टनेल' में चलने  
कली ये ट्रेन सेवा, यात्रियों से हमेशा सदास्वच भी  
रहती है-



इसीलिए ये आतंकवादियों का प्रमुख निशाना है-



अरे! ट्रेक के बीचों-  
बीच कोई आदमी खड़ा  
है! ब्रेक लगओ!  
इमर्जेंसी ब्रेक!



ये... ये क्या? कुछ  
गड़बड़ है! खतरा है!  
स्पीड बढ़ाओ! बढ़ाओ  
इसे!

ये जरूर कोई  
आतंकवादी हमला  
है!

मेट्रो, धड़धड़ानी हुई हमलावर की तरफ बढ़ी-



लेकिन-

अरे! टक्कर नहीं हुई! हुनको भयंकरा तक नहीं भया! इसलिए वह स्वतंत्रताक प्राणी, सेल बकल पर ससेन से हट गया होगा!



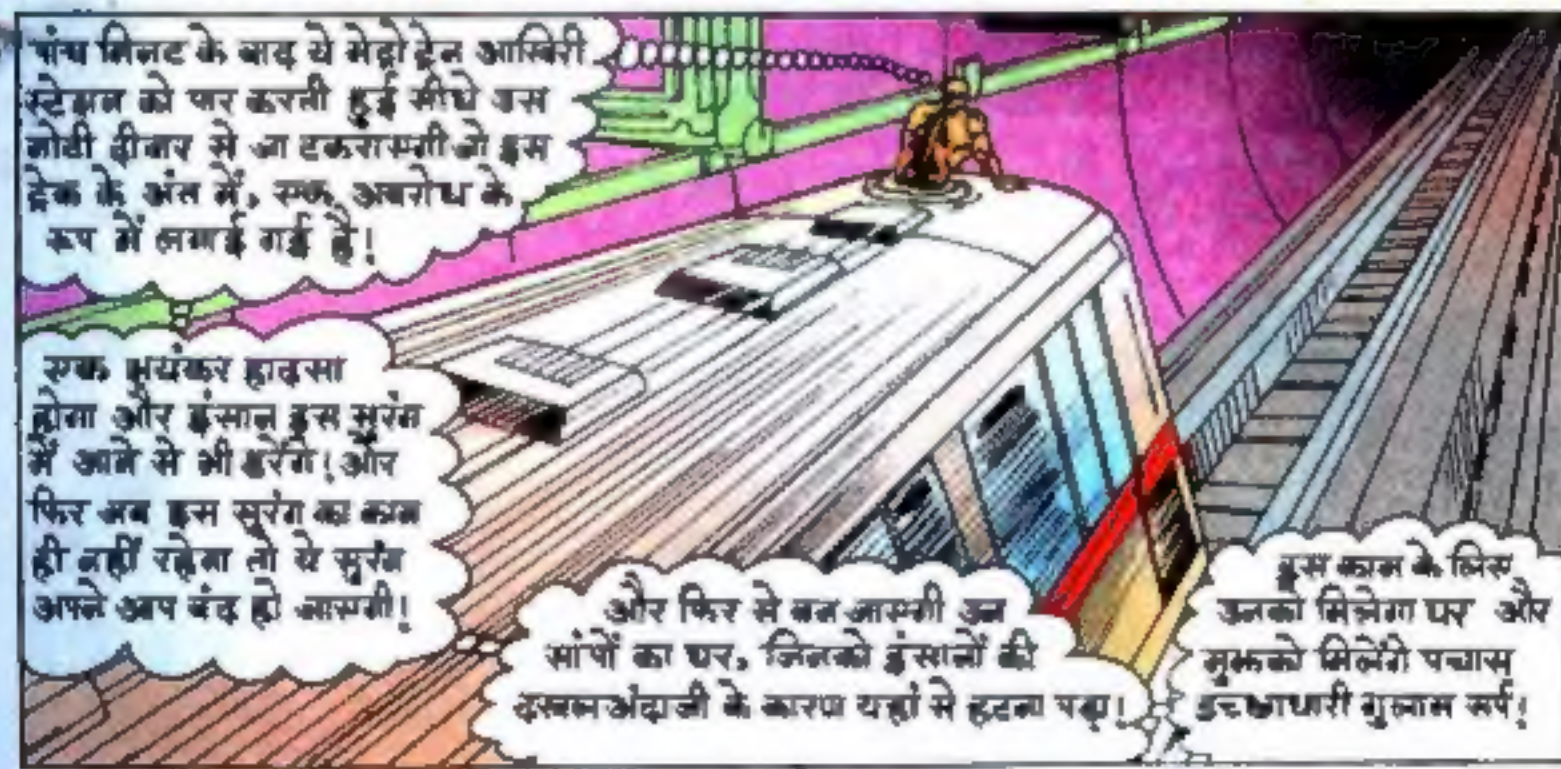
मुझे नहीं...



—राम्से से भी तुमको हटाना है! क्योंकि मुझे इस सुरंग को खत्म करने का काम सौंपा गया है!



सक स्टेशन के बाद इस सुरंग की बढ़ती खतरा हो जाती है!



पंच मिनट के बाद ये मेट्रो ट्रेन आखिरी स्टेशन को पार करती हुई सीधे उस जोड़ी दीवार से जा टकराएगी जो इस ट्रेक के अंत में, एक अवरोध के रूप में लगाई गई है!

एक भयंकर हादसा होगा और इंसान इस सुरंग में आने से भी डरेगा! और फिर जब इस सुरंग का काम ही नहीं रहेगा तो ये सुरंग अपने आप बंद हो जाएगी!

और फिर से बन जाएगी उन सांपों का घर, जिनको इंसानों की दखलअंदाजी के कारण यहां से हटाना पड़ा!

इस काम के लिए उनको मिलेगा घर और मुझको मिलेगी पचास डचआधारी गुलाम सर्प!



मेट्रो के अंदर-



बाकई ये ट्रेन मुंदर और साफ सुथरी होने के साथ-साथ सुविधाजनक भी है! रोब से हम आते तो इतनी जल्दी घर कभी नहीं पहुंच पाते! यलो, अब अगला स्टेशन हमारा ही है, राज उठो!

स्टेशन आने वाला है तो ट्रेन की गति कम होने के बजाय और तेज क्यों हो रही है?



अरे! स्टेशन तो निकल गया!

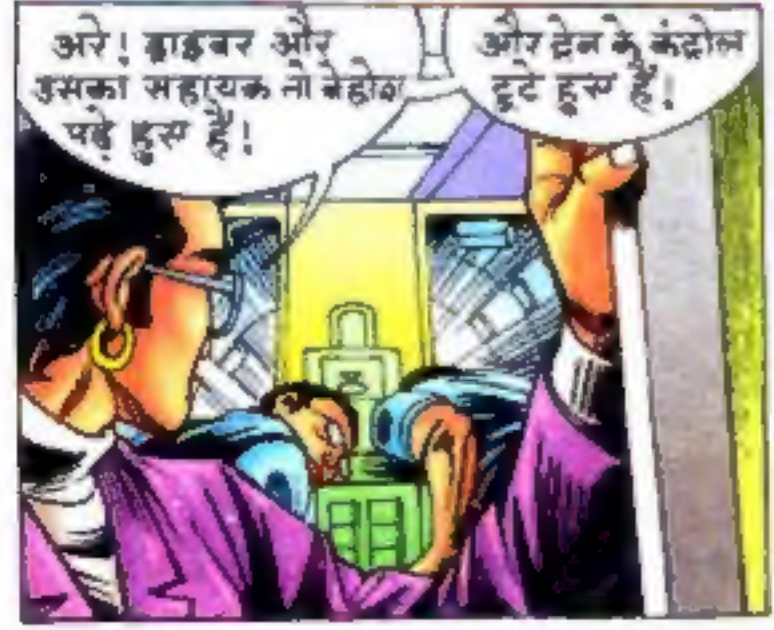
और ट्रेन धीमी होकर रुकने के बजाय और तेज गति पकड़ रही है!

कुछ गड़बड़ लगानी है, भारती!



मुझे थक करना पड़ेगा!

ये! संभल के भाड़!



अरे! बाइबर और उसका सहायक तो बेहोश पड़े हुए हैं!

और ट्रेन के कंट्रोल टूटे हुए हैं!



इस ट्रेन को मुझे रोकना होगा!





अरे! नागराज! ये इतनी जल्दी यहाँ पर कैसे पहुँच गया? लेकिन कहावत सुनी है, ज़ायद वह सच है कि नागराज एक साथ बारह जगहों पर मौजूद हो सकता है!

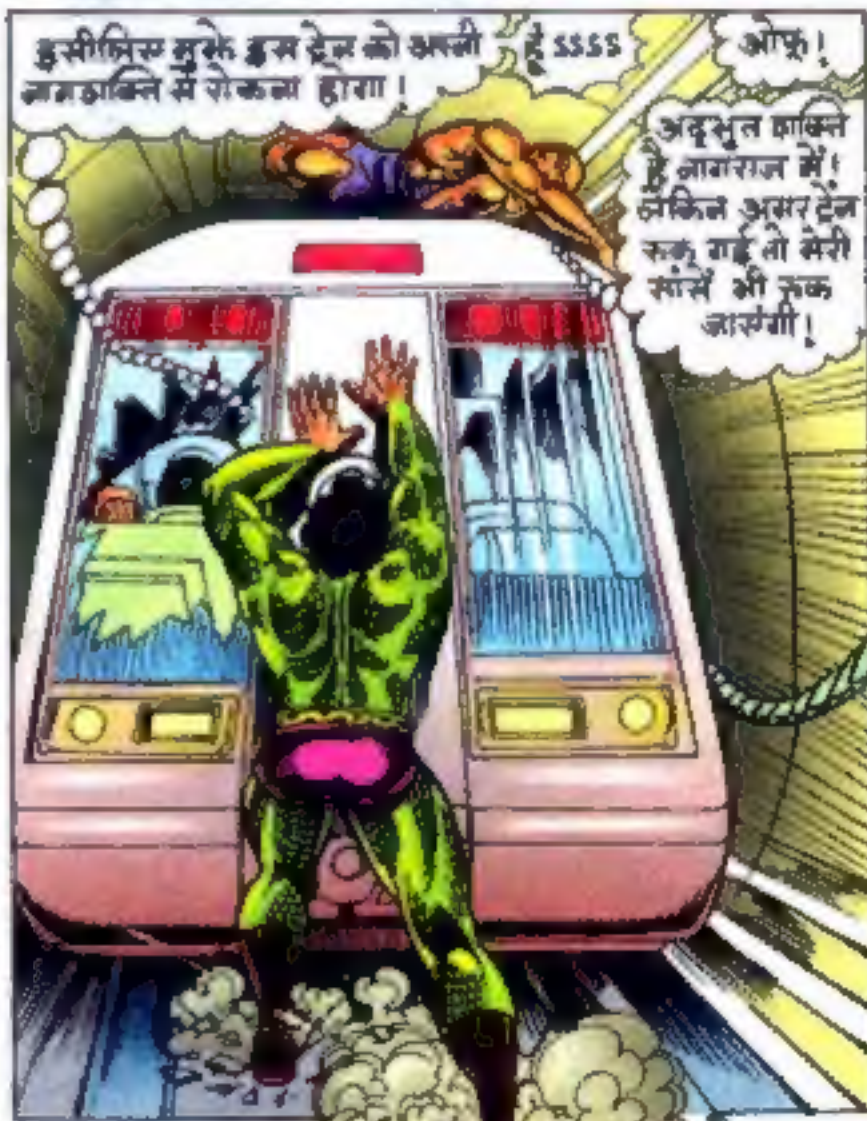
लेकिन कुछ भी हो, इस भारी भरकम ट्रेन को नागराज की शक्ति भी रोक नहीं सकती!

अगर नागराज बीच में आया तो ये भी मरेगा!



सबसे पहले मुझे बिजली गुल करनी होगी ताकि ट्रेन को पोंकर मिलनी बंद हो जाए और इसकी मोटरें धम जाएं!

लेकिन ये काफी नहीं होगा! क्योंकि ट्रेन की गति अभी भी इतनी तेज है कि रुकने रुकने भी यह अंतिम अवरोध से टकरा जायेगी!



इसीलिए मुझे इस ट्रेन को अपनी जगह शक्ति से रोकना होगा!

ओफ़! अद्भुत शक्ति है नागराज में! लेकिन अगर ट्रेन रुक गई तो मेरी सांसें भी रुक जायेंगी!





इसीलिए मुझे नागराज की सांसें रोकनी होंगी!

नागराज!

ओह! मैं समझ गया कि ये काम तुम्हारा ही है!

लेकिन मैं ये नहीं समझा कि तुम यहां से भागे क्यों नहीं?

नाकि तुम्हारे जैसे 'मानवों' के रहस्य! उस काम में टांग न अड़ा सकें!



मुझसे मार खाने के लिए यहां पर रुके क्यों रहे?

आखिर काम पूरा होने के बाद ही पार होना है!

आखिर ऐसा काम तुम करना क्यों चाहते हो? सैकड़ों मानवों की जान लेकर तुमको क्या मिलेगा?



मुझे तो बस पचास गुलाम सर्प मिलेंगे! लेकिन हजारों सर्पों को उनका घर वापस मिल जायगा!

ये सुरंग!

और ये काम तुम सैकड़ों मानवों की जान लेकर पूरा करना चाहते हो! ऐसा नहीं होगा!



ऐसा ही होगा नसरान !  
क्योंकि तुम मुझसे उलके  
रहोगे और ये ट्रेन अबरोध  
से टकरा नसरगी !

नुम्हारे बार मुझ पर  
बेकार है , नसरान !  
अब ट्रेन को बचाने के  
बजाय अपनी जान  
बचाने का तरीका  
सोचो !

किलहाल तो मैं ट्रेन  
को रोकने का रास्ता  
सोचूंगा !

बिजली के  
बस दूटे तार  
की मदद से !

**कड़कड़**

आऽऽऽ ह। ये सही कह रहा  
है ! ये अपने शरीर के किसी भी  
अंग को टोस बना सकता है , और  
किसी भी अंग को हवा की तरह  
फावर्गी !

बिजली का सोटा तार मेट्रो के  
पहियों में उलझना गया-

और झटके खानी हुई मेट्रो-

रुकने लगी-

आऽऽऽ ह। ये नहीं हो  
सकता ! मेट्रो रुक नहीं  
सकती !

है ! मैं हूंगा  
इसका पोंवर ! मैं खलाऊंगा  
इस ट्रेन को अपनी  
डाकित से !

अब मेट्रो  
नहीं चलगी,  
आरपार !

क्योंकि इसको  
चलाने के लिए  
पोंवर चाहिए, जो  
कहीं मौजूद नहीं  
है !

ओह ! ये कंट्रोल  
पैनल में घुस रहा  
है !





और मेट्रो फिर से  
गति पकड़ रही  
है!

अबरोध अब ज्यादा  
दूर नहीं है!

जो करना है अच्छी  
ही करना होगा!



अब सब ही उपाय है!  
बस मैं उसीद करता हूँ  
कि मेरी सर्प-रस्मियों में  
उस काम को पूरा करने  
की शक्ति हो!

गुंथी हुई सर्प-रस्मियों  
के गुच्छे हवा में ऊपर  
रेंग गए-



अब मुझे ट्रेन की  
गति को फिर से कब  
करना है!

इस ट्रेन को  
आपण अपनी  
शक्ति से चला  
रहा है!

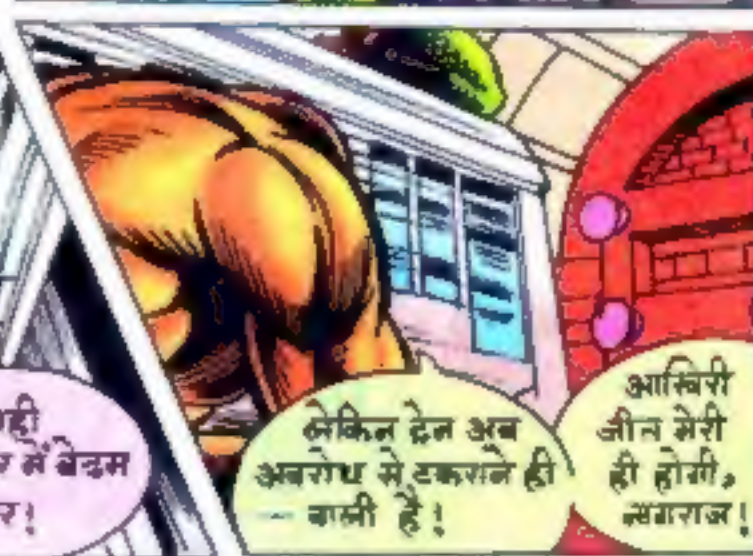
यानी अब इस  
इंजन पर बार  
करने का मतलब  
आपण पर बार  
करना है!



आ 555 हूँ!

डाक

मेरा रुखान मही  
था! तुम सब ही बार में बेदम  
हो गए हो, आपण!



लेकिन ट्रेन अब  
अबरोध से टकराने ही  
- वाली है!

आखिरी  
जीन मेरी  
ही होगी,  
नगराज!



ट्रेन रुकेगी,  
आपसार! सामने  
देख!

ओह! तुम्हारी सर्व शक्तियों  
मे पटरियों को ट्रेन से उठाकर  
चढ़ाई बना दी है!

हां! और ट्रेन में अब डलनी  
नहीं है कि ये इस चढ़ाई  
को चढ़ सके!

आऽऽऽ,  
नागराज!

तुम अगर बहुत पर न आते तो  
हम सब कभी नहीं बचते!

आपको सबानों  
के जवाब बड़ में मिल  
जायगी! एक दूसरी  
ट्रेन आपको यहां  
से ले जायगी!

मुझे फिलहाल इस  
अपराधी को लेकर कहीं  
पर पहुंचना है!

अरे, ये नागराज  
है, फिल्मी पुलिस  
नहीं है!

पर तुमको इस  
मुसीबत की खबर  
कैसे मिली?

ये कौन है?  
इसकी शक्त से  
दिखाओ!



नागाद्वीप पर-

ये जीजिसमहान्तक कलवुन !  
स्वक और नारा अपराधी ! हालांकि,  
इसने जो अपराध किया है वह किसी  
और के इन्हारे पर किया है !

अब इससे उस क्रान्त  
का नाम पता करन और  
इसको समुचित दंड देना  
अपका काम है !

ये काम मेरा नहीं  
नारा नाराधन्य का है !  
इसको सजा सिर्फ मुझ  
नारा-नाराधीन ही मुना  
सकते हैं !

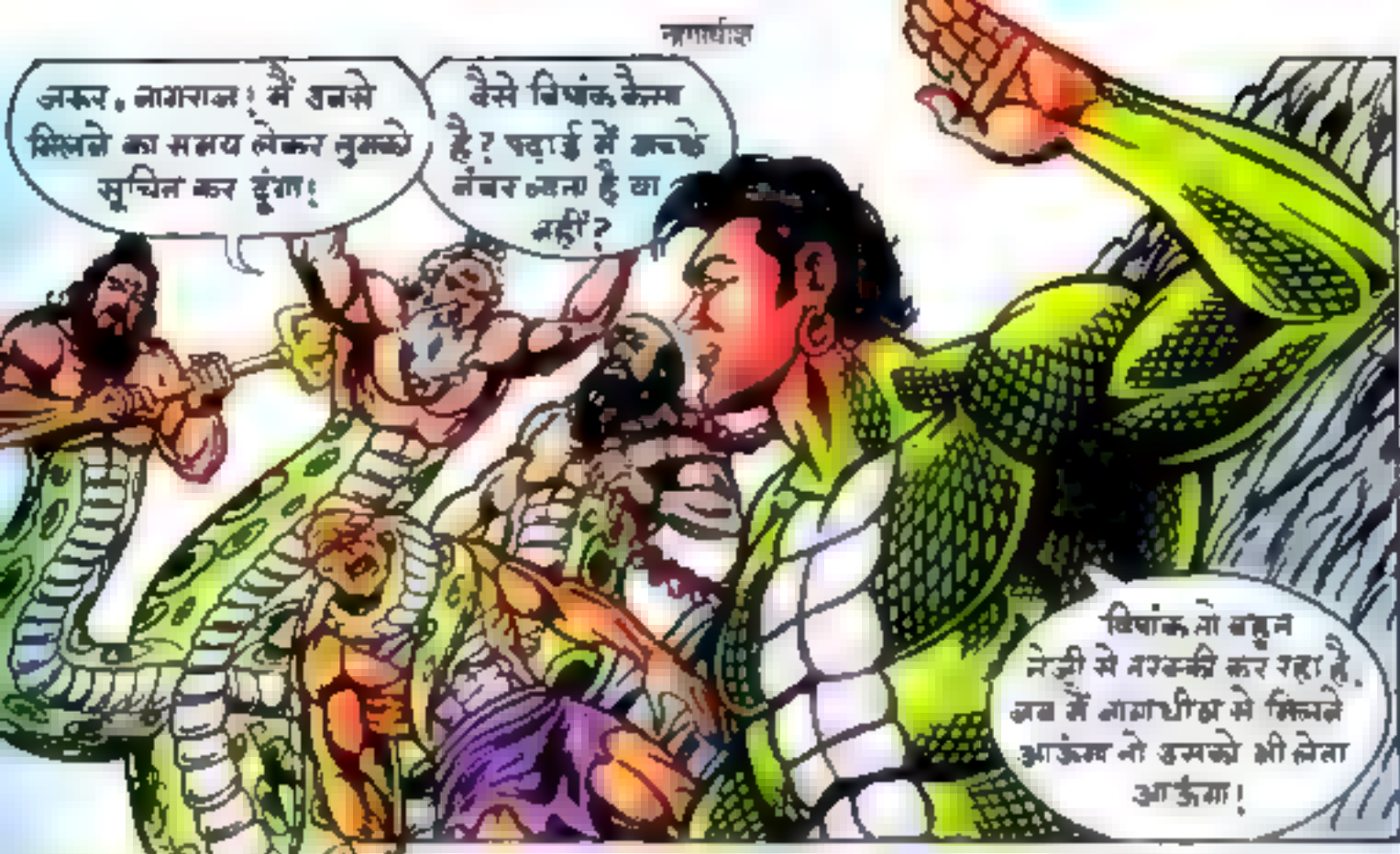
नारा नाराधन्य !  
नाराधीन ! मैंने  
इसके बारे में तो  
पहले कभी नहीं  
सुना !

वह कायद इसलिये क्योंकि  
तुम अधिकतर वक्त मानवों के बीच में  
बितते हो ! हर अपराधी नारा पर नाराधन्य  
में मुकदमा चलता है, और उसके सजा  
नारा संहिता के अनुसार ही दी जाती  
है !

नारा संहिता ही इसका  
कानून है ! उससे ऊपर कोई  
भी नहीं है ! न नाराद्वीप का समुद्र  
और न ही मैं स्वयं !

आश्चर्य है,  
मैं नाराधीन से  
मिलना चाहूंगा !





जकर, नागराज ! मैं उनसे मिलने का समय लेकर तुमको सूचित कर दूंगा !

वैसे बिषांक कैसा है ? पदार्थ में अच्छे लेंबर लगता है या नहीं ?

बिषांक तो बहुत नेट्टी से नरक की कर रहा है, जब मैं नागाधीश से मिलने आऊंगा तो उसको भी लेता आऊंगा !



और किसी गुप्त स्थान पर-

ओफ़ ! नागराज ने फिर एक बार मुझे भगत दे दी ! लोगों की नज़र में सम्मान पाने का एक और मौका मेरे हाथ में बिकस गया !

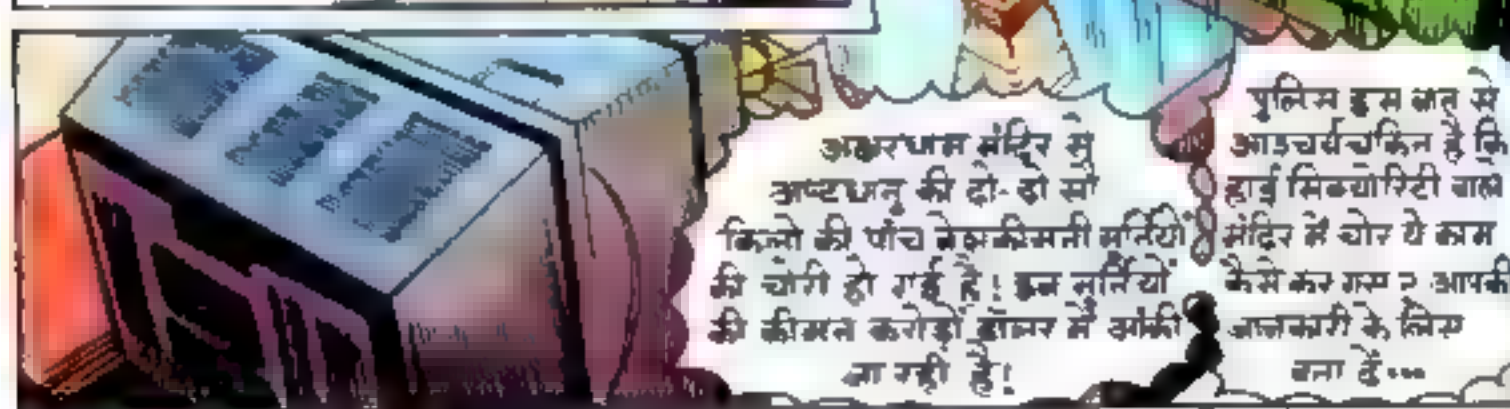
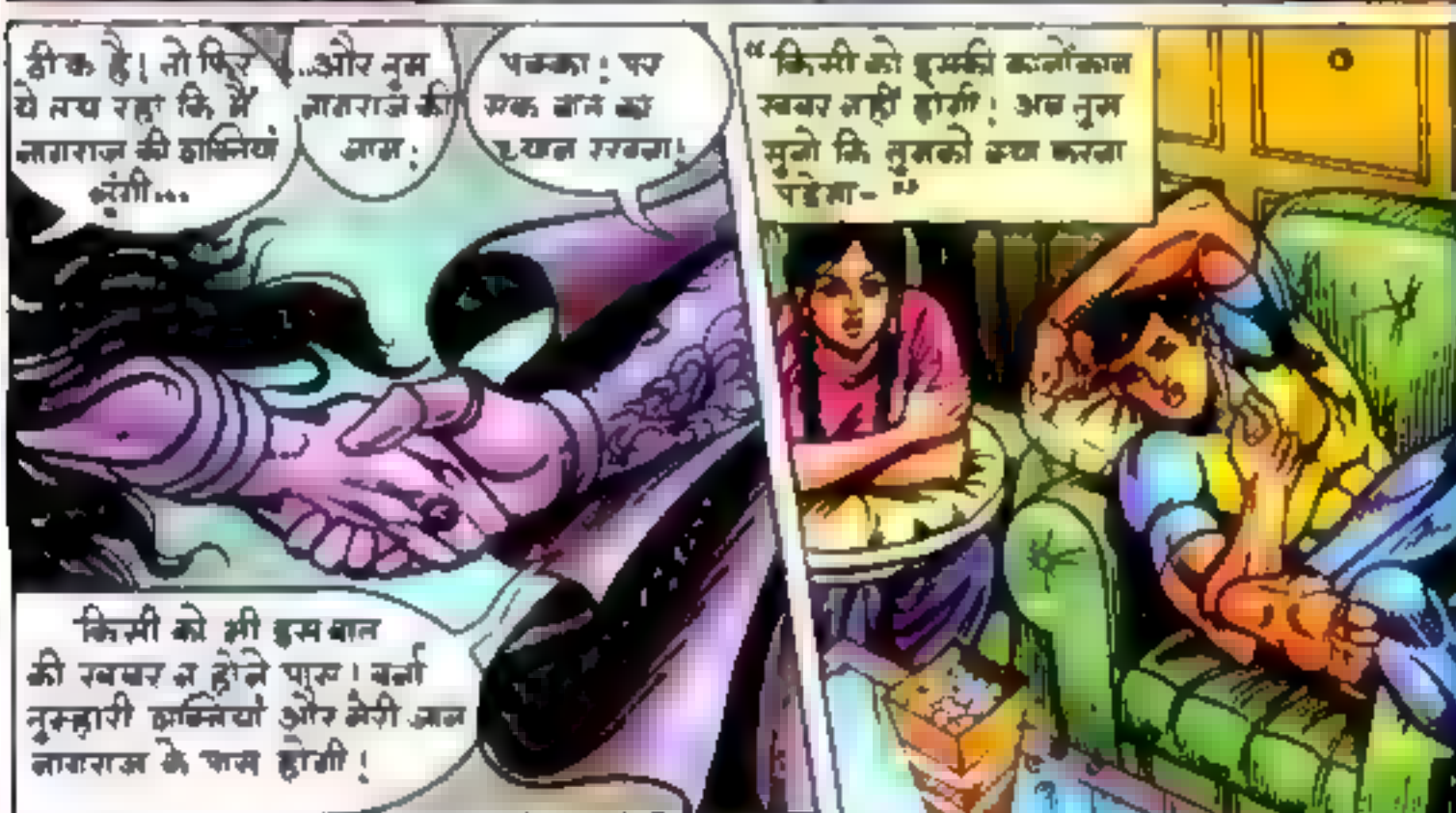
मैंने तुमसे पहले ही कहा था, नागराज के रहते तुम कभी सफल नहीं हो सकती !

नागराज के पास तो इतनी ताकत हैं, उनसे पार पाया हम जैसे लोगों के बस की बात नहीं है !

अच्छ, नागराज की इतनी ताकत मेरे पास होती ! वेब काकाजरी के बिष की फुंकार, छरीर में डूबछाछरी साँपों को रखने की इतनी, अपने ही छरीर से सर्प पैदा कर सकने की इतनी ! अगर ये इतनी ताकत मेरे पास होती तो मैं पूरी दुनिया पर राज कर रही होती !

लेकिन ये इतनी ताकत तो तुम्हारे पास है और न ही तुमको मिल सकती है !









धुनियाँ बचाने वाले क्या  
पोपकोर्न खा रहे थे ?  
डैम, डैम !

तुम्हें लूना  
मार रही है ?

तेरी 'सहेली' चंडिका  
भी पोपकोर्न खा रही  
थी क्या ?

ये देखो, चंडिका का नाम मत  
लेना ! उसके पास और भी बहुत  
काम हैं !

घर की दादी में  
निजका : इस वकन दुनिया  
में भाखों लोग पोपकोर्न खा  
रहे होंगे !

पर यहां तो  
पोपकोर्न में ही खा रहा  
हूं ! और कोई तो यहां  
है नहीं !

ओ-के-!  
ओ-के-!

ओ-के-!  
ओ-के-!



वैसे मुझे सपने में आ नहीं  
रहे थे कि अक्षरधाम में चोरी  
होने लगी है ! अगर मुझे जल मी  
भी खबर होती तो मैं नकर  
जाना

हां, अक्षरमी भोज  
खबर का इंतजार करते  
रहते हैं ! वैसे किसी सिक्किम  
का किसी कुत्ते ने खबर  
क्यों नहीं दी ? लुट्टाही  
मंगल में रहकर जख्म  
भी अक्षरमी हो गए  
हैं !

वैसे ये तो सोचने वाला  
प्लान्ट है ! मेरे किसी साथी  
ने मुझ तक खबर क्यों नहीं  
पहुंचाई ?

इस चोरी के बारे में  
थानी और डिटेन से जानकारी  
हमिल करनी होगी !



पुलिस हेडक्वार्टर में-

सेमा नहीं है कि  
हमारी सिन्डोरिटी से  
रही थी भुव ! उन्होंने  
चोरों को दंडा, उनको  
चैनबनी दी, लेकिन  
फिर ओर कहां से  
निकल भागे ये पता  
नहीं चल पाया !

वैसे एक बात नुसख  
और बात है जो हमने अब  
तक प्रेम ज्यों को भी नहीं  
बनाई है ! नाकि हमारी  
इज्जत बची रहे !

इस हेडक्वार्टर  
में भी कल चोरी  
का प्रयास किया  
गया था !



ब्लॉट! इतनी हिम्मत! कौन था वह चोर? क्या लेने आया था?

कल हमने तस्करी के कुछ हीरे पकड़े थे। उसका निष्पत्ता वे हीरे ही थे!

निकल आया? खानी... उस चोर को पकड़ नहीं पाया!

नहीं! पर वह हीरे भी नहीं ले जा पाया।

पर वह चोर सैकड़ों पुलिस वालों की हज़र कर-कर अंदर घुसा कैसे? मैं उससे मिलना चाहता हूँ बाबा!

मिलना तो मैं भी चाहता हूँ! वह पुलिस के लिए कि पुलिस हैडक्वार्टर में अंदर कैसे घुसा? और किस शक्ति से निकल आया!

ओ सैड! अगर खेत को ये बात पता चल गई तो...

नहीं, नहीं! उसको मत बसाना! वरना वह बोक-बोककर मेरा जीन हराकर देगी!

उस तक ये बात न पहुंचे इसी दर से तो मैंने ये कल त्रेसकलों को भी नहीं बनाई!

जब उस चोर का और अन्वेषण कर पोरों का पता कैसे चलेगा, बाबा?

ये फोटो मैं रख लेता हूँ बाबा! अब सब और प्रिंट निकलाना भीसियत!

अब तो मुझे भी ये जानने की इत्सुकता बढ़ गई है कि आखिर ये चोर है कौन जो इस से आते हैं और इस में ही गायब हो जाते हैं!

दोनों ही जगहों पर लगे सिक्योरिटी कैमरों ने चोरों की तस्वीरें खींची हैं!

ये देखो! कल तक ये फोटो पूर देक के हर पुलिस स्टेशन में लगी होगी! वे चोर हमको चुनौती देकर बच नहीं सकते!

ये कम खतरे वाली जगहों पर भी आसम से करोड़ों की चोरी कर सकते थे। पर उन्होंने वे जगह ही क्यों चुनीं, जहां पर पहले से मजबूत सिक्योरिटी मौजूद है!



और उससे भी बड़ी  
जान ये है कि चोरों को  
मेरे सिवा पशु या पक्षी  
क्यों नहीं देख पाए ?

अगर वे देखते  
तो मुझे तक़्कर  
कर पड़ते !

ताकि... ओफ़ !



अभी तो उनके इन  
चोरों के चित्र दिखाकर उनके  
इन चोरों को दूढ़ने के काम पर  
मजबूर हैं !

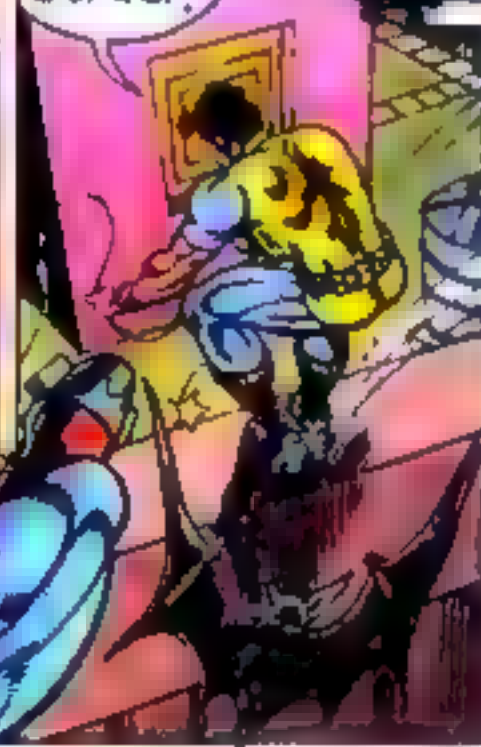


यक़ीनन ये  
चमत्कार कहां  
से आ गए ?

और ये मुझ  
पर हमला क्यों कर  
रहे हैं ?



ओफ़ ! कम-  
बाल बच्चा !



अब ये चमत्कार  
क्या हो गए हैं : मसूदा  
ये समझ गए हैं कि मैं  
इनका दुश्मन नहीं  
हूँ !



यानी अब मैं  
आराम से जा...  
ओह !



ये तो  
फिर भी मुझ पर  
हमला करने भरो !





आखिर ये बमगादड़ चाहते क्या हैं? मुझको यहाँ पर रोककर रखना चाहते हैं?

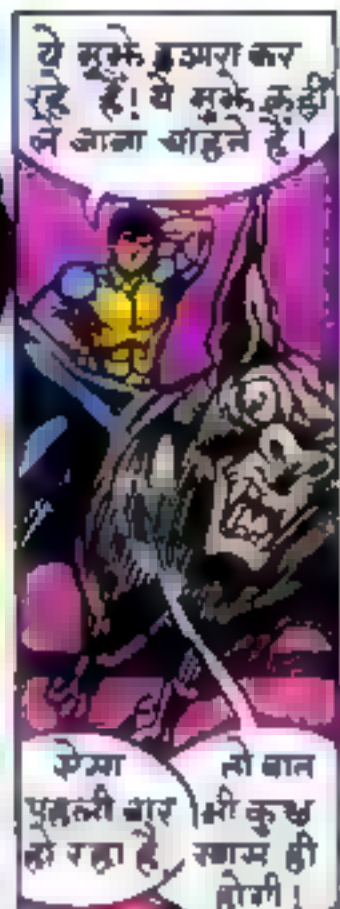
वे उड़कर धोड़ी दूर पर बैठ गए हैं!



और अब वे धोड़ी और दूर पर उड़कर चले गए हैं!

और फिर से आंत होकर बुधर ही दिख रहे हैं!

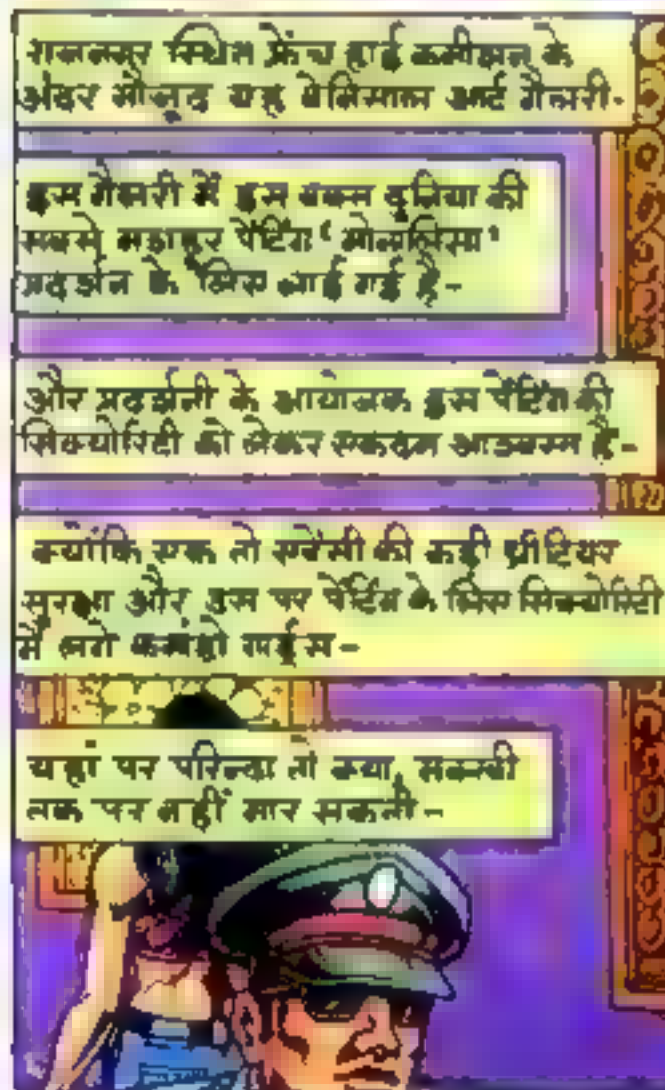
ओह! सभ्बा!



ये मुझे इजारा कर रहे हैं! ये मुझे कड़ी ले जाना चाहते हैं!

ऐसा पहली बार हो रहा है

तो बात भी कुछ खास ही होगी!



शाननगर स्थित फ्रेंच हाई कमीशन के अंदर मौजूद यह बेसिमातन अर्ल गैलरी-

इस गैलरी में इस बक्स दुनिया की सबसे महादूर पेंटिंग 'मोनालिसा' प्रदर्शन के लिए आई गई है-

और प्रदर्शनी के आयोजक इस पेंटिंग की सिक्योरिटी को लेकर एकदम आडगम है-

क्योंकि एक तो स्पेसी की कड़ी छींटियर सुरक्षा और उस पर पेंटिंग के सिक्योरिटी में सगे कर्मचारी मौजूद हैं-

यहाँ पर परिन्दा तो क्या, सब्जी तक पर नहीं मार सकती-





सब ठीक है न जवान ?  
यहाँ पर कोई गड़बड़ तो  
नहीं हुई है ?

नहीं सर! सब  
दुरुस्त है!

सब दुरुस्त नहीं  
है! ये गंदे जूतों के  
निशान कैसे हैं ? कौन  
गंदे जूते पहनकर  
यहाँ आया था !

ओ माई  
गॉड !

सि... सि...  
मिन्ग्योरिटी  
स्क्वार्म बजाइस  
सर !

क्यों ? सफाई  
कामों को बुलाने के  
लिए !

नहीं सर ! ये जूतों  
के निशान मिन्ग्योरिटी  
बालों के नहीं हैं !

व्हाट ! खाली... यहाँ  
पर कोई आया था ! कौन साकर कहना हूँ सर किये  
आया था ? न तो कह  
रहा था कि कोई नहीं  
आया !

मैं भगवान की कसम  
पर कोई आया था ! कौन साकर कहना हूँ सर किये  
निशान हो मिनेट पहले  
यहाँ पर नहीं थे ! और  
पिछले मल घटो में बालों में  
न तो कोई आया और  
न ही गया !

तो क्या  
यहाँ पर कोई भूत  
आया था !

यू  
आर  
सस्पेंडेंड !

जाओ  
अल्बार्म ऑन  
कनो !

पर मैं तो सस्पेंडेंड  
हूँ, सर !

**जाओ**

अल्बार्म की अलबत्र पूरी स्क्वेसी में गुंज डी - आप सब  
बाहर जाओ !  
नरन ! स्टील्स  
डोर बंद होने  
बाले हैं !

**देखते ही देखते अर्ध-गैलरी दर्शकों से खाली हो गई-**









ये मुझे कहां ले  
आए हैं। मामने ले  
ऊंच संवेंसी है। लेकिन  
मेकिन...

... कुछ मड़बद है। जोरा भजने  
हूय बाहर आ रहे हैं। मिजयोसिटी  
अन्ने अपनी-अपनी पौजीअन ले रहे  
हैं। और स्वयं की अक्ल वहां  
तक मुताई पड़ रही है।

मैं समझ गया  
होसने। तुम जमने हो  
कि, वहां पर ये सी को  
मुसीबत है जिसको मैं  
ही संभाल सकता  
हूँ।

लेकिन मुझे डर है  
कि संवेंसी की सुरक्षा  
मजेंसीन अपने काम में  
मुझे दांस आइले  
होगी।

मुझको चुपचाप  
अंदर आना होगा, और  
चुपचाप ही मड़बदी फैलाते  
जबो को बुंदना होगा।

और इस काम में  
मुझे नुस्सारी मड़ब की  
अकल पड़ेगी।

रेडी ?

चुकी-चुकी ई ई



अरे! सकारण चमगादड़ों का यह झुंड कहाँ से आ गया? यह तो बादलों की तरह हमारे ऊपर बँट रहा है!

यह 'बादल' बँट रहा ही नहीं आया था -

यह 'बादल' एक अद् थी -

धैर्य्य दोस्तों! अब सिमरिटी वाले मुझको स्टार साइड पर चलकर रबिनी तक पहुँचाने इस देखा नहीं पाएंगे!

हमारी इयटी चमगादड़ों पर लज्जर रखने की नहीं है! आकस्मिकों को बूँद बना हमें भी चमगादड़ की तरह उल्टा लटका देंगे!

चमगादड़ों का बादल! हूँह!

क्या ही पलों बाद झूँट रबिनी के अंदर था -

अब जानओ कि मुझको ज्ञान किधर है?

इस तरफ! आ. के.!

अरे! यह चमगादड़ सकारण जल कैसे डल?

समझ! वहाँ पर अदृश्य 'लेजर गिड' है -

लेकिन अब क्या गिड को देखने का तरीका मुझे आता है!

सुख सिमरल फरिया की मदद लेनी होगी!

धंस की पर्तों को नमानी लेंजर गिड की लकीरें अब स्फ लज्जर आ रही थी -



तुम लोग 'लेजर-बिह' को देख नहीं पाओगे! इसीलिए तुम लोग मुझे देखना! मेरे पीछे-पीछे आना!

और उतनी ही आसानी से धुव, अद्भुत कलाकारी का प्रदर्शन करते हुए उस स्वतन्त्र लेजर बिह का पहर कर रहा था-



समस्त हथों की सुनने की शक्ति कमजोर कर दी! लेकिन वे धुव की हर एक आवाज को आसानी से समझ रहे थे-

धुंसा के कारण 'फायर सिस्टम' भी सब्डीबेट हो गया था -

ओफ़! चाली से फर्क सकते थे धिकना हो गया है! ये फायर-विकेंस सिस्टम किसने सब्डीबेट कर दिया है!



तुम न देख सकते हो

लेकिन धुव द्वारा छोड़े गए धुंसा ने एक नक्काशी भी कर दी थी-

जीन सामने देखो!

हाथर किसी ने ये सिस्टम सोच-समझकर ऑन किया है!

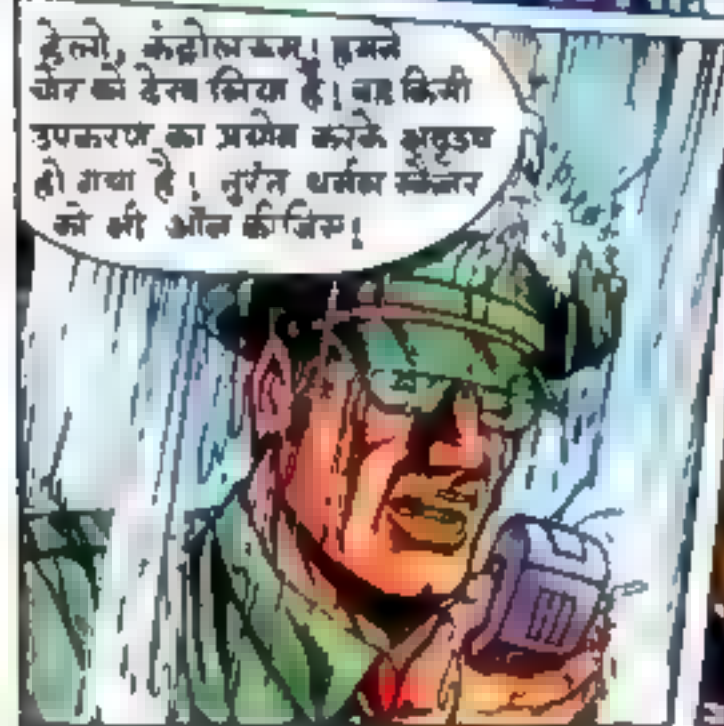






गोलियों से बेझाकीमनी सेनाब्रिमा को नुकसान पहुंच सकता है, इसको पकड़ना होगा!

मैं जानता था कि सेनाब्रिमा से अच्छा सुरक्षा कवच मुझे मिल ही नहीं सकता है!



लेकिन अगर जोर निकल आता तो ये कैसे पता चले कि कोन सा हमारा ऑफीसर है और कोन जोर?



देखो, दिग्ग रहता है न?

लेकिन वो तो हमारे ऑफीसर्स को पीटकर भाग रहा है!

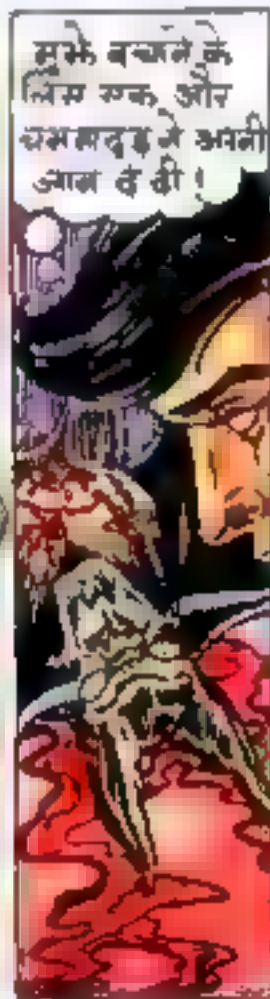
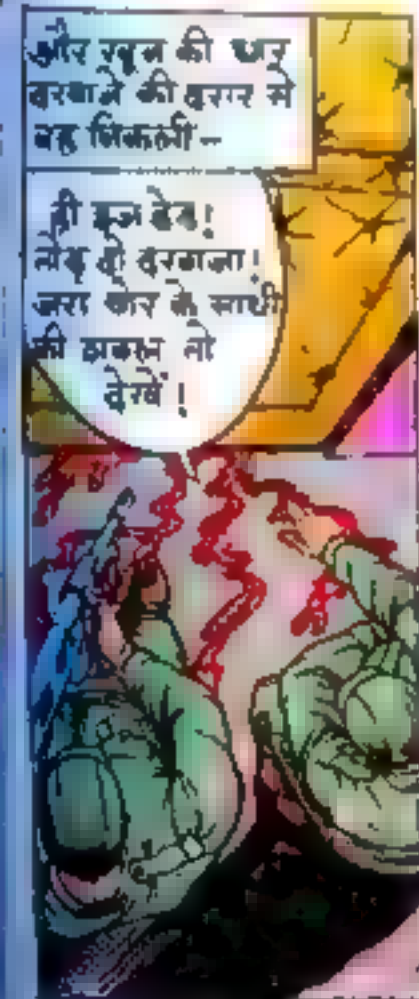


आपदु अपने साथी के पास!

साथी के पास?

यस! ये देखो! इस स्क्रीन पर एक दूसरी लाल आकृति जेजर आ रही है!









पर ये सिक्वोरिटी वाले मुझे दरवाजे के पार भी कैसे देख रहे थे!

ओह! धर्मल इमेजर! यानी पूरी दुनिया की धर्मल स्कैनिंग की जरूरी है!

धर्मल स्कैनिंग करीर की जर्मी के माध्यम से किसी को भी ठुंढ़नी है! अब करीर की जर्मी को मैं कैसे छुपाऊं?



ये मुझे 'धर्मल स्कैनिंग' से डर रहे हैं! लेकिन मेरे पास इसका इलाज भी है!

मुझे 'धर्मल रेजिस्टेंट मेयर' और करनी होगी, और वह लेयर धर्मल किरण को सोखकर मुझे 'धर्मल स्कैनिंग' से छुपा लेगी!

चोर ने हाई टेक्नोलॉजी का सहारा लिया था और मुझे ने सिक्वोरिटी का-

अब मुझे गुप्त और नेज रास्ते से चोर तक पहुँचाना होगा! अच्छी, ये ठंडा पानी मुझे ज्यादा देर तक धर्मल स्कैनिंग से नहीं बचा पाएगा!

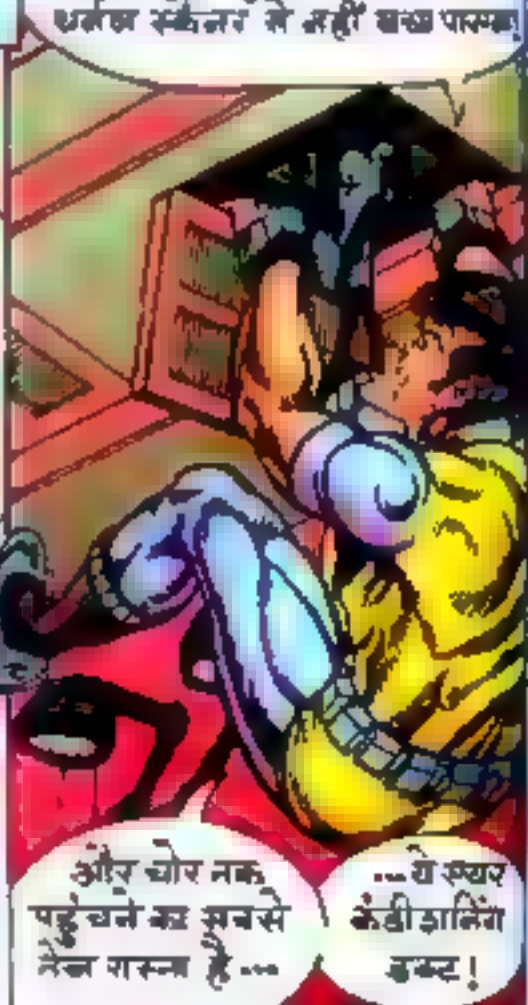


अरे! चोर की इमेज धर्मल स्कैनिंग से साफ हो रही है!

और इसके साथी की भी! पर कैसे?



उहू \$\$\$ बड़ा ठंडा पानी है! लेकिन ये मेरे बदन का तापमान कम करने मुझे धर्मल स्कैनिंग से छुपा लेगा!



और चोर तक पहुँचने का सबसे नेज रास्ता है...

...ये स्थिति कंडी डालिंग डकट!



ये इन्क्रेडिबल इमारत के हर कोने में फैले हुए हैं। ये मुन्कड़े मेरी मंजिल तक पहुँच भी नहीं और मुन्कड़े ठंडा सब्बर मुझे धर्मस म्मेनर में भी बेचारा रखेंगे।

आह! इस वस कलम और, और मेरा काम पूरा हो जाएगा! मैं जानती... और चकलकलम मोलापिसा को चुराने वाला चोर बन जाऊँगा!

ये से भई! दकलान मन! कल मेरा भेद खुल जाएगा!

ये रास्ता अभी काफी बुरा हुआ है! इसके स्थली होने तक मैं जरा आराम कर लेना हूँ!

इस रूम-कमोजेट में! जहाँ पर अड-लेफे रखे जाते हैं! किसी को सप्ते में भी मुझे यहाँ दंडने का खयाल नहीं आ सकता!...

...हे \$\$\$ ये चमगादड़ कहाँ से आ गया?

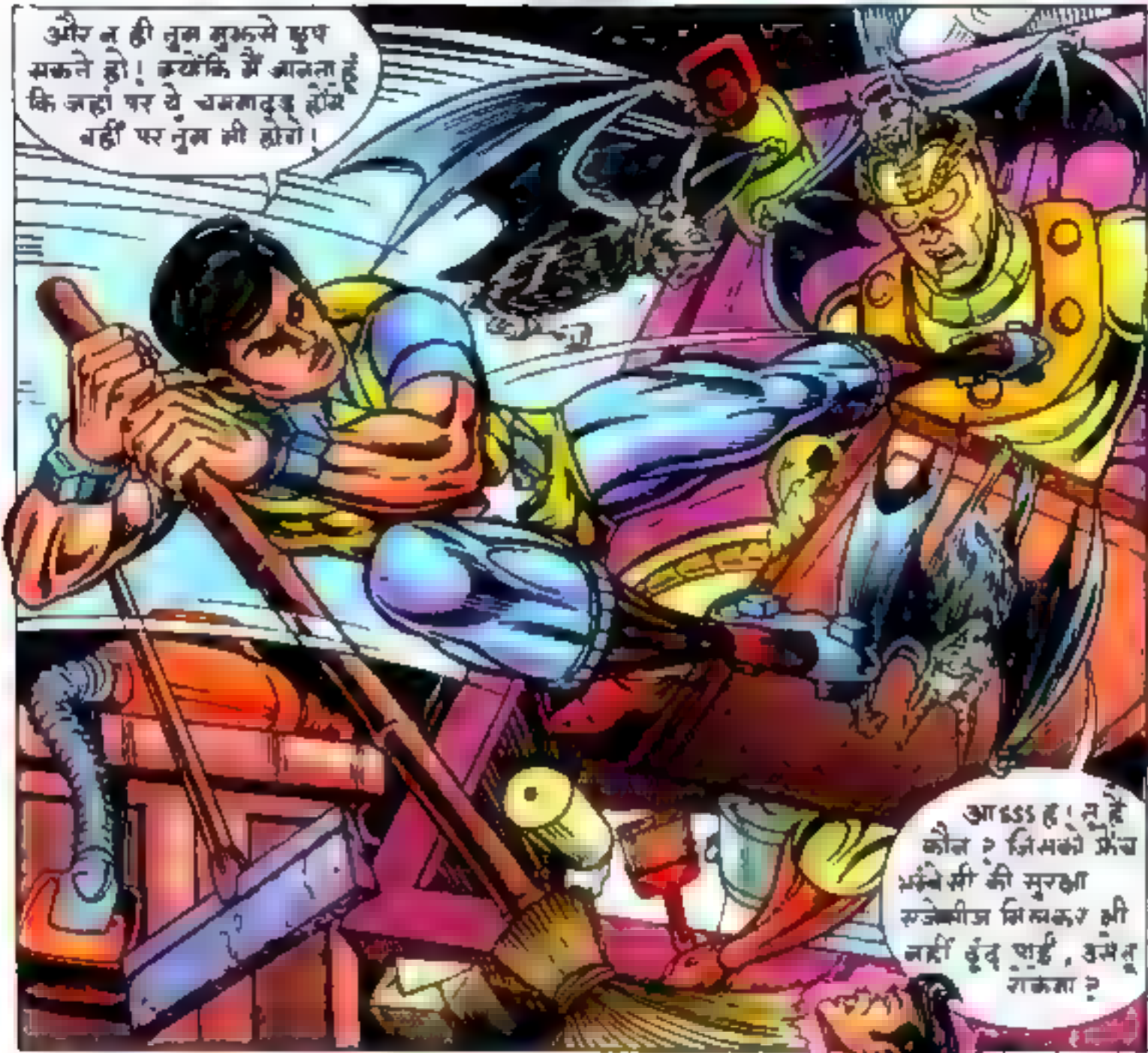
और... और ये मुझे देख भी सकते हैं!

क्योंकि ये अल्ट्रासोनिक साउंड की मदद से देखते हैं!

मैं इनसे छुप नहीं सकता!



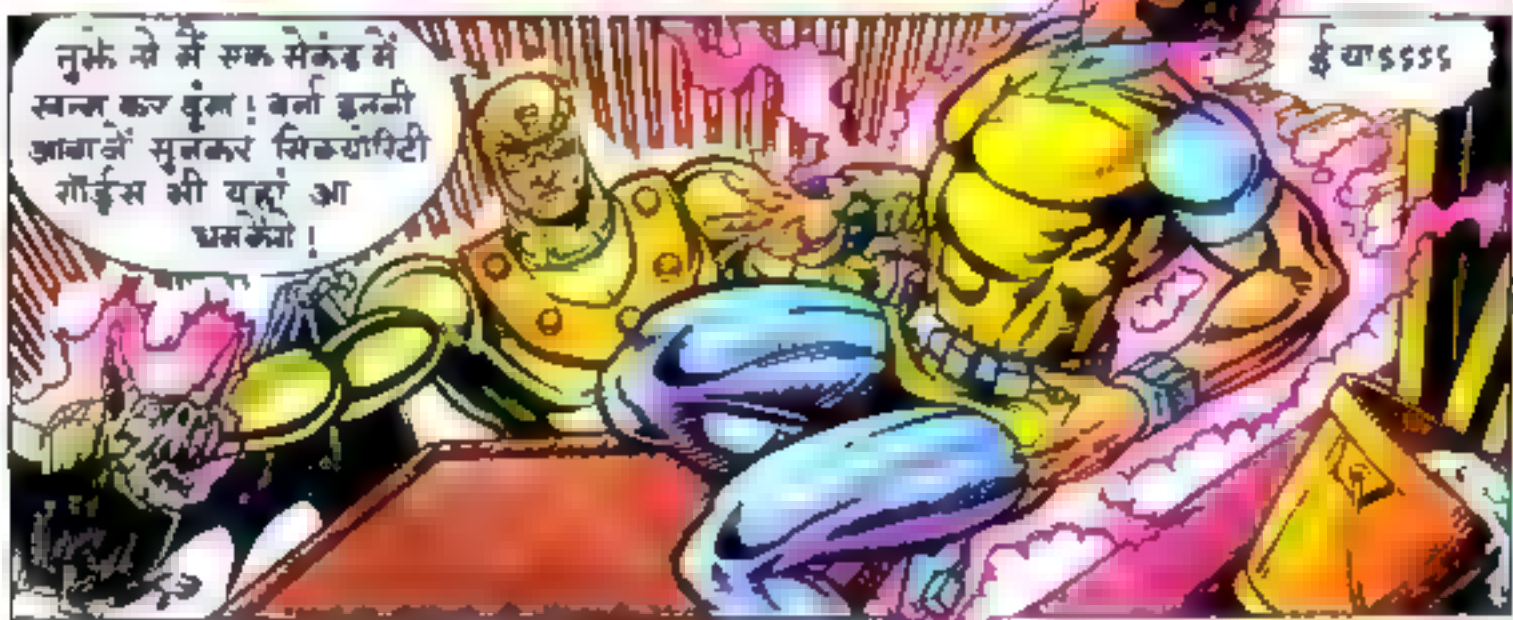
और न ही तुम मुझसे कुछ  
सकते हो ! क्योंकि मैं जानता हूँ  
कि जहाँ पर ये चमत्कार होय  
वहीं पर तुम भी होगे !



आइस ह ! तुम्हें  
कौन ? जिसको मैंच  
अभी सी की सुरक्षा  
सजेकीज मिलकर भी  
नहीं हुंद पाई , उसे तु  
सकता ?

तुम्हें तो मैं एक सेकंड में  
खत्म कर दूँगा ! बर्नो इनकी  
आवाजें सुनकर सिक्योरिटी  
गार्ड्स भी यहाँ आ  
धमकेगा !

ई वाइस







ओऽऽऽह!

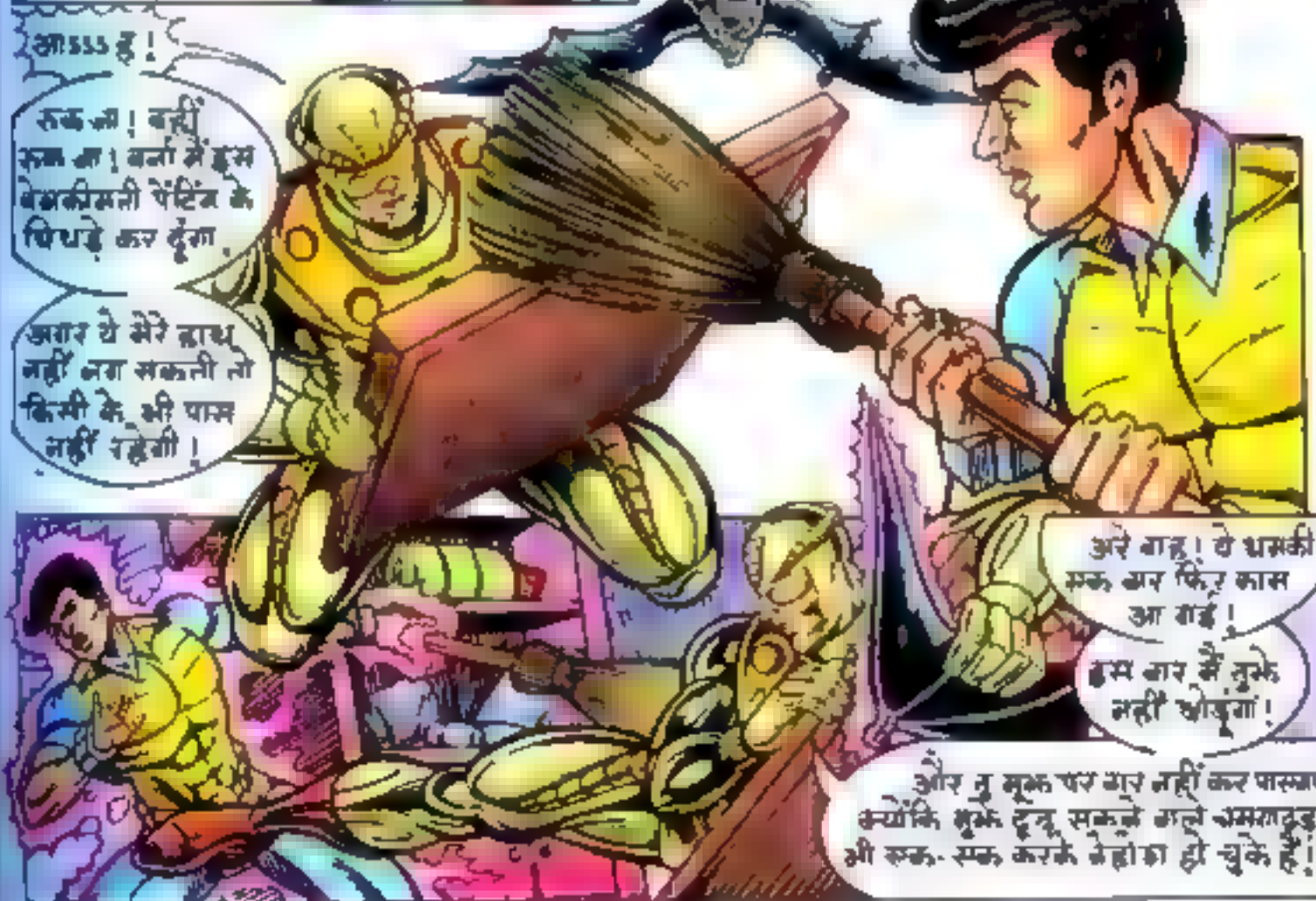
जोर का झटका लगे  
जोर से! अब पैर मलने का  
चकलमस जोर से!

हाथ भी  
मलवा ले इस बार  
शरा में बकलमस जवाबो!



सेसा है ते में  
तुम्हें हाथ नहीं  
मलऊंगा!

लकड़ी पर तेरा  
कॉरेंट काम नहीं करेगा  
चकलमस बार!



ओऽऽऽह!

रुक जा! वहीं  
रुक जा! वहाँ में इस  
बेअकीमती पेंटिंग के  
पिछड़े कर दूंगा.

अगर ये मेरे हाथ  
नहीं मल सकती तो  
किसी के भी पास  
नहीं रहेगी!

अरे बाहू! ये धमकी  
सक बार फिर काम  
आ गई!

इस बार मैं तुम्हें  
नहीं छोड़ूंगा!

और तु मूक पर बार नहीं कर पासगा  
क्योंकि मूक दूध सकलने वाले बमरादूध  
भी रुक-रुक करके बहोका हो चुके हैं!





अब मैं तुम्हें...

अरे! कहाँ  
गाया?



मैं यहाँ हूँ,  
चकल्लस!

अरे! अरे! आकर  
साबने से आ रही है  
पर तू ठिरेब क्यों  
नहीं रहा है?

क्यों? जयब  
होने का लड़सेंस क्या  
सिर्फ तेरे पास है?

लेकिन उसने तो कहा  
था कि ऐसा सिर्फ एक ही  
'कॉम्प्यूस' है! और वह कॉम्प्यूस  
उसने खुद बनाया है!



मुझे गायब होने के  
लिए कॉम्प्यूस की  
जरूरत नहीं है!

आऊSSS

भून दे! ये भून दे!  
वे तो बिना कॉम्प्यूस के  
गायब हो सकता है!

और मुझे गायब...  
सबसेब अदृश्य रूप में भी  
देख सकता है!



देखें! कैसे नहीं  
हीसे फर्क पर तेरे  
बुल्लों के मिछान जो  
ठिरेब रहे हैं!

अब मेरा स्टैब फू  
चिपकाया गया भाइयों  
खोन फिर से काम  
आरम्भ!

अब निन्का रहन  
चाहने हो तो...



कीछे की  
नहीं है!

मैं यहाँ  
हूँ, चकल्लस!



... मोनालिसा को  
पीछे रख दो!

र... सब दिख!  
सब दिख!

लेकिन चकल्लस ने अपना  
मौका नहीं मिला था-

चकल्लस के हाथों से अलग होते  
ही मोनालिसा फिर से स्फट नजर आने लगी-

यही मौका है!  
अब मैं इस भूल से  
बचकर भागूं! ये तम्बीर  
संस्कारों के चकल्लस में यहाँ  
भक लग रहा!

और मेरे पीछे नहीं  
आ पाएगा! खैर कुछ  
भी हो...

मेरा काम तो ले  
ही गया है!

ओह! कौन  
है!

'ब्रूम-कमोनेंट  
का इरगल्ल रघुआ  
है!

कोई इसी  
से बाहर आया  
है!

जल्दी! अंदर  
चलकर देखते हैं!

अरे! मोनालिसा  
तो यहाँ नहीं है!

ये यहाँ  
पर कैसे आ  
सकें?

लेकिन तबतक है कि  
चकल्लस हाथों से निकल  
रहा है!

सब और हाई-  
फाई चोरी का  
प्रयास और चोर  
किसी को नजर  
नहीं आया,

कैसे भी आई  
हो! थैंक गॉड कि चैंडिंगा  
इसको गायब जिन राई!

आखिर ये  
हो क्या रहा  
है?



रहस्यमय कोरियों का  
करना यह था-

और जबरधन को दुबले की एक प्रतिक्रिया-

एक दिन बाद-

टेन मिलियन डॉलर का  
यह कांटेक्ट मुझे ही मिलना  
चाहिए मैं हूँ। मैं अकरधम  
में मुर्तियाँ भी ले आऊँ और  
किसी ने मुझे देना तक  
नहीं!

इसका काम तो आसान  
था मैं हूँ। मेरे जैसा पुलिस हैब  
कन्वर्टर में घुसने का काम करना  
तो इसको पता चलना। अकरधम  
में बीस पुलिस वाले थे तो पुलिस  
हैबकन्वर्टर में पाँच गैर! सही है  
कि मैं हीरे नहीं ला पाया पर मैं  
उन तक पहुँच ने गया हूँ।

कांटेक्ट का असली  
हुकदार चकल्लस है मैं हूँ।  
अपने मुँहसे पेंटिंग चुराने को  
बाजने को नहीं कहा था, पेंटिंग  
तो मैंने सफलता से चुरा ली थी।  
अगर आप इसे छानने को कहती  
तो मैं उसे भी ले आता!



हाटअप! हाटअप!  
हाटअप!

अकरधम और पुलिस  
हैबकन्वर्टर के निम्नोरेटी  
कमरों में नुस दोजों की चेहरे  
रखेंच रखी है। कांटेक्ट  
अपराधी बन चुके हो नुस  
दोनों छानिए और!

और नू चकल्लस बड़ी-बड़ी  
डिंकी हांक रहा है। जैसे कि मुझे पता  
ही नहीं है कि नू अब से फिट कर आ  
है! अरे मेरी ड्रेस में मैंने कैमरा भी फिट  
कर रखा है!



मैं हार गई। हार गई।  
मौ जैरों का टेस्ट लेने के  
बाद मैंने उनमें से इन तीनों  
को छांट था। लेकिन वे  
तीनों भी बेकार और  
निकम्मे निकले।

अब मैं क्या करूँ ?  
कहाँ से लाऊँ वह महावीर  
जो मेरा काम कर दे !

... ये कि जूल  
की कलायत नहीं  
करती पढ़ती, जिस  
किसर !

कहा बकेकर !  
पेंटेस्ट थीफ ऑफ  
द वर्ल्ड !

कुछ दोस्तों से पता  
चला कि तुम दुनिया का नंबर  
वन थोर हुनू रही हो ! बस मैं  
तुम्हारे बेकान तुम के लिये  
जाजीब से होवा चला  
आया !

कैकर को  
याद किया होता  
नो...

लेकिन तुम  
अंदर कैसे आ सक  
इस हवेली के  
बाहर लो...

बाहर पंद्रह ऊई तैनात  
हैं। चार सेनहोर पर हैं। रजरह  
कोरीहोर में हैं। पढ़नी मंजिन  
पर स्थान राई तैनात है। पूरी  
हवेली में सत्ताडस रजफिया  
कैमरे लगे हैं।

यहाँ से  
भवाते के लिये  
जर खुफिया  
रक्ते हैं और...

बस, बस,  
बस ! पूरी पोल  
सन सौनी ! इस  
तुमसे बहुत  
प्रभावित हुस !

कौन हो  
तुम ?



इनने गॉर्ड, कैमरों और सिंक्रोस्ट्री सिस्टमों को चकमा कर मेरे इस हॉल तक पहुंचना मामूली काम नहीं है, लेकिन तुम यह कैसे साबित करोगे कि तुम चोरों के चोर हो! बेस्ट चोर!

तुम्हारी लैब में वे सारे गैजेट चोरी करके जो तुमने उन तीन छोटे-मोटे चोरों को दिए थे! और जिनके दम पर चोरी करके वे अपनी काबलियत का काम भर रहे थे!

हा हा हा हा हा!

हंस क्यों रही हो मेडम मिस् किल्लर?

इस हॉल में घुसकर यहाँ तक पहुँचना एक माडिकल काम जबर है सिंक्रोस्ट्री कैमर!

लेकिन मेरी लैब में घुसकर चोरी कर पाना असंभव काम है!

मेरी लैब तक जाने वाले एकमात्र कॉरीडोर में इलेक्ट्रिक डोंकर फिट है (लेजर डिवाइस है); कॉरीडोर का दिखाने वाला कबोकर लगा है! लैब के दरवाजे में बारह सौ नोस्ट का कंटेंट होना है! इसमें तीन अलग-अलग सिंक्रोस्ट्री अलार्मलस हैं! पट्टी में लीवर गैस चार इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक बरो हुस है! दरवाजों के ठीक अंदर सेजर गार्डबुड मॉनीटरलस लगी हैं! वो भी चोर-कार!

मेरे सारे गैजेट मेरी बेसल रूड बेसल की मेफ में रखे रहते हैं; उस मेफ के दरवाजे को मैं कोई काट सकता है न गला सकता है और उसके चार सिस्टम का सर अलार्म कोई खोल नहीं सकता! सब बेसल में बेसल वाला भी नहीं! और मेरी मेफ के अंदर रखे हैं...



आपके ये सारे  
रोजेट! यही है  
न?

क्याट? ये तो... पर कैसे?  
समझिए! आई कांट बिलीव  
तुम लो...

यस, तम अचमूच नेबर वन  
चोर हो मिस्टर कैकुर! मिस  
किल्लर तुमको देखी है इस मिलियन  
डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट!



कूनने पैमे? गाऊ!  
लेकिन मुझे कूनने पैमे  
के सिम करन क्या  
होना?

समय  
आने पर बद  
भी पता चले  
जायगा!

तो जब समय आया  
मुझे सोचाइल मार लना! तब  
तक कैकुर रवाली मर्द्दी बैठ  
सकना! इंडिया आया हूं नेस्क  
हो फटाफट चोरियां भी बन लेना  
है! कल सक्सपीरियंस होगा!



और आरिचरी  
भी! इंडिया आया  
हो तो दुरिस्ट बनकर  
घम फिर लो! इंडिया  
की निगरानी नागरन,  
भुव और डोगा जैसे  
बहुगंड गुरु सुपर  
ही राज करते हैं! मेरे  
काम करने से पहले  
इंडियन जेल की मैर  
पर मत चले जाना!



ओ.के., ओ.के., पैक्स  
फॉर सबनइज! कैकुर दुरिस्ट बनकर  
ही इंडिया में घुम लेगा!

इस महापकृयंत्र का एक  
भाग तो सफलतापूर्वक पूरा  
हो गया था-



अब तुम्हारे भाग की  
आकृति होती थी-

अ, मैं इस! आप बता  
सकती हैं कि मिस्टर नारायण  
कहाँ पर मिलेंगे?

पूछा नाम बताइगा थिकदा?  
नारायण सिंह है, नारायण  
शर्मा है! अच्छा छोड़! पता  
बना है!



जी, मैं सुपर हीरो  
नारायण की बात कर रहा  
हूँ! वो जो कलकत्ता में मारे  
छोड़ते हैं न, बड़ी.



ओ, अपना बात  
नारायण थिकदा! उसको  
सुझने में कोई है ही नहीं  
होम्मा तो अपना जानना  
नहीं!



मैं क्या, नारायण थिकदा  
को रहना ये कोई नहीं  
जानता!

तो फिर नारायण  
मुझे मिलेगा कैसे?

देख! मैं मेरे  
को सब सीधा सा दस्ता  
बताता है, जिधर जगमग  
हो रहा, प्रोब्लम हो रहा,  
उधर इमीडिएटली पहुँच  
जाने का.

वेद कहने का! नारायण  
दो सेकंड में उधर आया!  
देन यू सीट हिम!



ठीक है!  
संभा है तो  
फिर संभा की  
होगा! धैर्य  
मैडम!

हालांकि ये निचनों के  
विस्मृत है! लेकिन फिर भी  
मरा पहला काम नारायण  
नक पहुँचना है!



और इसके भिन्न मुझे  
कोई भी रास्ता अपनाते  
की छुट दी गई है.

कंदु सर्प!  
विध्वंस कर!



एक विद्वान 'बैटरिंग बॉल' की तरह कंदू सर्प ने महाजनगर पर धमकाने लगे थे-



और टिप्पे लगाकर टकताती गेंद की तरह कंदू सर्प का अवांछित निहाना क्या होगा, यह बताना असंभव था-



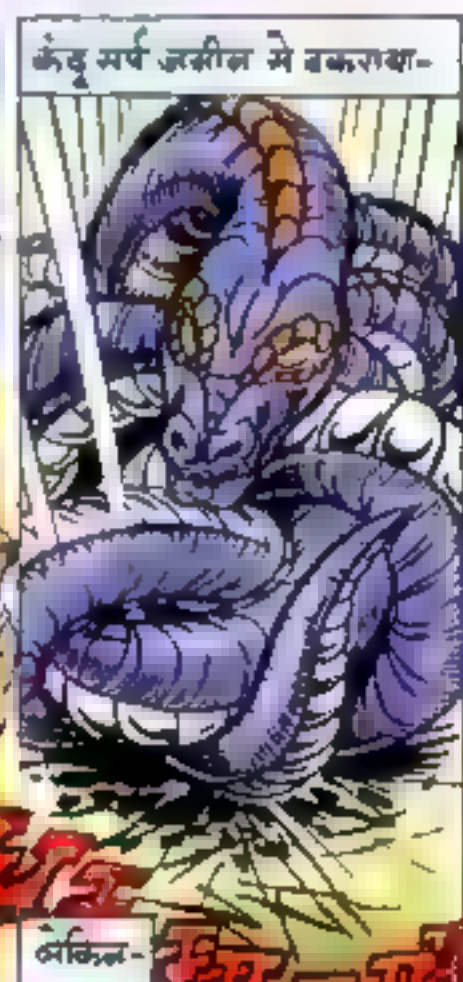
भड़का।  
ये क्या है  
भड़का?

पता नहीं,  
बिड़ली! बस  
भगा!



ये तो डर  
ही आ रही है  
भड़का!

ई SSSS



कंदू सर्प जमीन में डकता था-

वेकिल-

हम नमस्ते

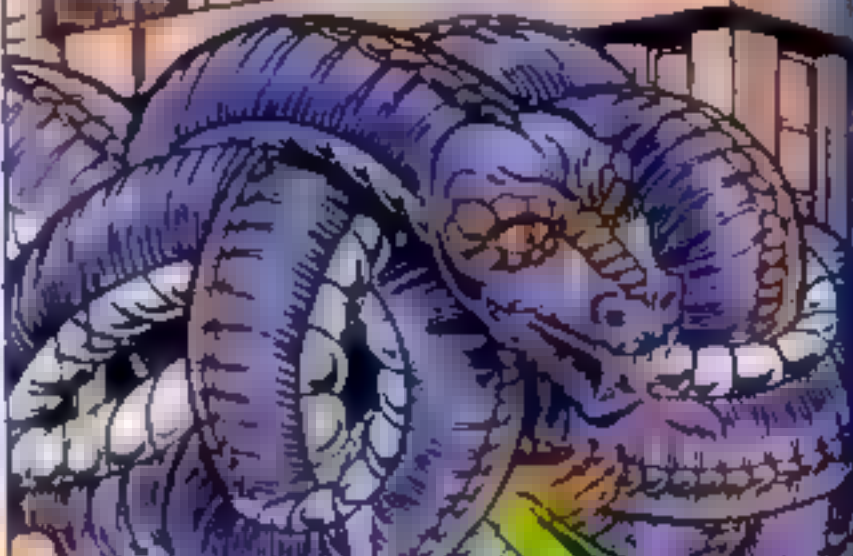


अरे! कंदु सर्प टिप्पता  
स्वाकर अपने अपने निहाले  
के बिस उधला कहे नहीं?

बिचुंसा  
के जाना गइ कंदु  
सर्प! बर्त...

नागराज  
के मे असज

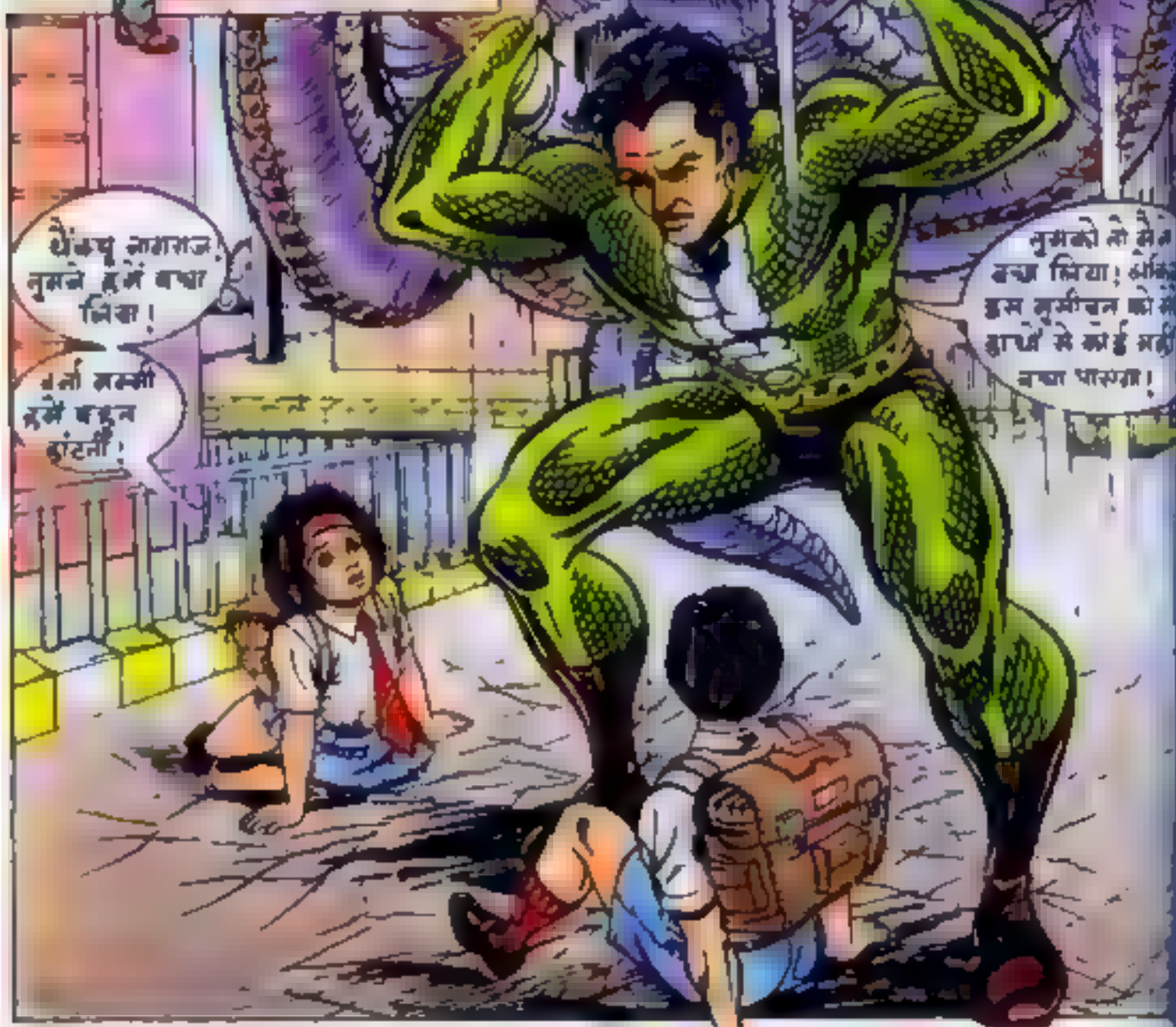
आ मख!  
यही है नगराज



थैंक्यू नगराज  
नुसने हमें बचा  
लिया!

बर्तो नमसी  
हमें बहुत  
डांटनी!

नुसको तो मैं  
बचा लिया! धीक  
इस नुसीन को मैं  
हाथ से काटू नहीं  
बचा पाऊगा!





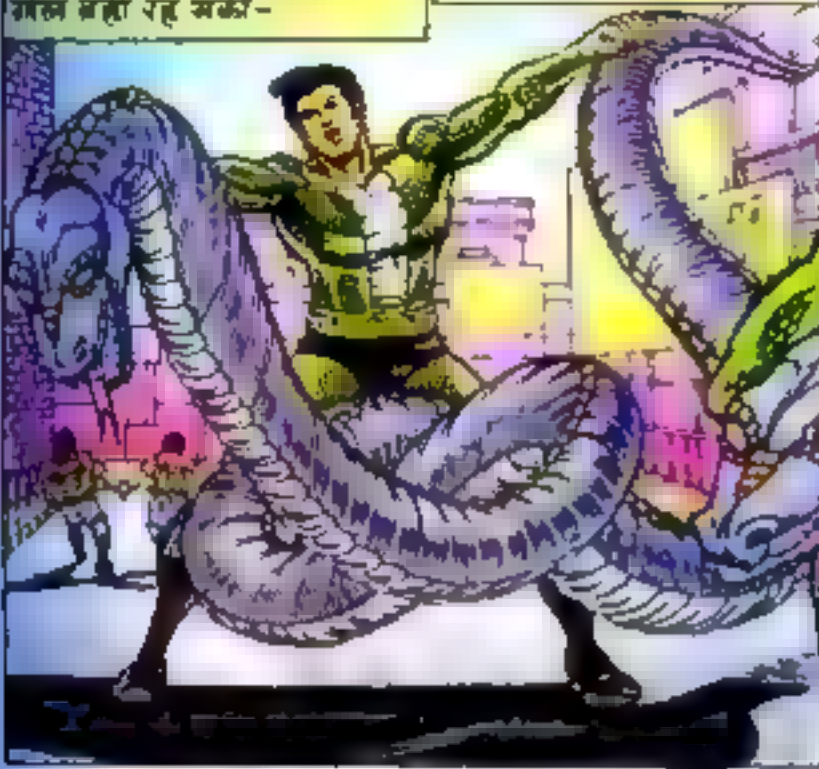
नागराज की अदभुत ताकत अग्नि के सामने कंदु सर्प की कुंठनिचां खेल नहीं रह सकी-

कंदु सर्प को नागराज ने कब्जे अपने की तरह खोल दिया-

और-

अब ये शंठ मेरे छापीर में सब तक लगी रहती, जब तक न ये बर्ही बनाते...

...कि नू है कोन और ये तो बम्बोड़ कर रहा था!



ये जो कुछ भी कर रहा था...

...मेरे कहने पर कर रहा था। और ऐसा करने का मेरा सम्मान कारण तुमको मुझसे था।

तुमको अपने साथ ले जान चाहता हूँ! नगराधीश में सम्मान लेकर आया हूँ! के समक प्रस्तुत होना है!

फिर भी मैं नेकार हूँ! इस विश्व का कर्ण में नगराधीश से स्वयं ही पृथक् हूँगा!

छिंक है नागराज तुम्हें उन्मील नहीं थी कि तुम इनकी अमानी से साज साधोरो! लेकिन अनन्त के अनुयायी में बंदी बनाने से पहले तुमको बताना दूँ कि...



तुम कौन हो? क्या चाहते हो मुझसे?



नगराधीश के समक! आरुह इतके आपस सर्प का केसरा करने के लिए मेरी शक्ति की आवश्यकता है!

परन्तु सम्मान भेजने का यह तरीका गलत है!



बंदी! तुम मुझे बंदी बनाने आस हो?

हाँ, नागराज! तुम पर मेरा आभिनय के दुरुपयोग का आरोप है!



अपने ऊपर आगे आगे  
को मान लो और नागाधिया  
का त्याग करके मेरे साथ बंदी  
बनकर नागाधीश के समक्ष  
चलो.

मैं समझ गया है  
कोई बदला है! अब  
तुम मुझे नागाधीश  
का नाम लेकर बहुत  
रहे हो, ताकि मैं बंदी  
बन जाऊँ और मेरे  
दुश्मन मुझे अगला  
से खत्म कर सकें.  
ऐसा नहीं होगा.

तुम समझ नहीं रहे हो नागराज:  
मैं नागाधीश का सेवक पांडा सर्प  
हूँ! और नागाधीश ने मुझको जिन  
धातियों को देकर भेजा है उससे  
कोई भी नाग या नागाधिया  
धारक बच नहीं सकता!

ये कहानियाँ  
सुनकर मेरा मन  
बल नहीं गिरता  
पांडा सर्प!

इतना तो मुझे  
पता है कि आरपूर  
सर्प का किसी और  
ने भेजा था!

हायद उसी ने  
तुमको भी भेजा है.  
और वह है कौन, व  
नागराज तुमसे जान  
कर ही रहेगा!

तुम जिस आरपूर  
सर्प की जान कर रहे हो उसका  
उसकी करनी का टुकड़ा मिल  
चुका है

लेकिन तुम्हारे  
अपराध का फैसला  
होना अभी बाकी  
है!

इसीलिए प्रतिरोध  
करना बंद करो और  
चुपचाप बंदी बनकर  
मेरे साथ चलो.



मगधराज जहाँ भी जाता है, अपनी मर्जी से जाता है।

हा हा हा! ये लाल ली लाल संहिता के कानून में बंधे हुए हैं। ये लाल-संहिता के रक्षकों को हानि नहीं पहुंचाएंगे!

...ले नुम्हारे खुद के साथ पहुंचाएंगे!

आ \$\$\$ ह!



अगर मेरे साथ तुमको हानि नहीं पहुंचा सकते...

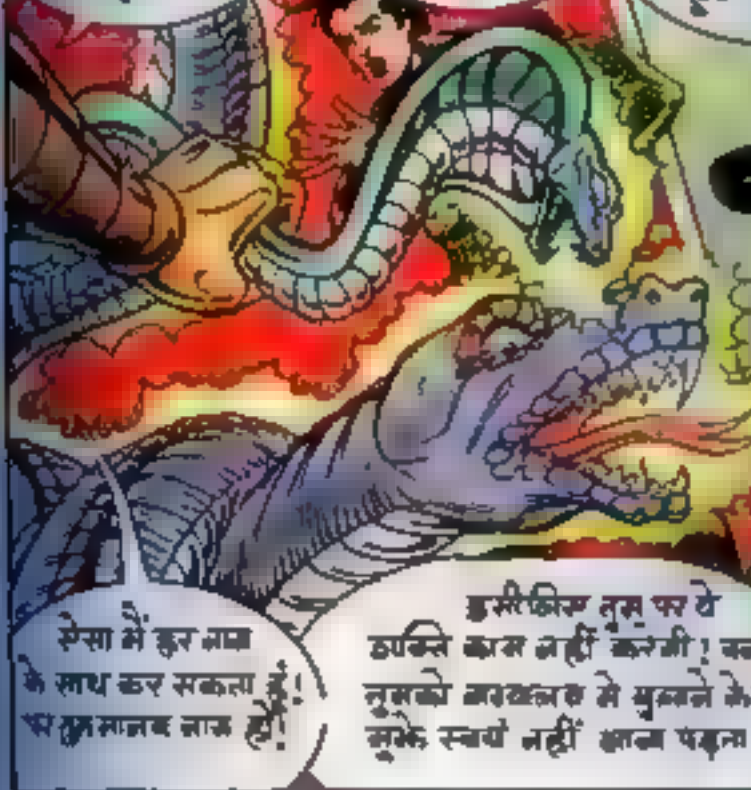


तुम्हें अपने ही स्थानी को घोट पहुंचाई जाय ?

जा मगधराज के पास जा और अपनी सज्ज भुगत!

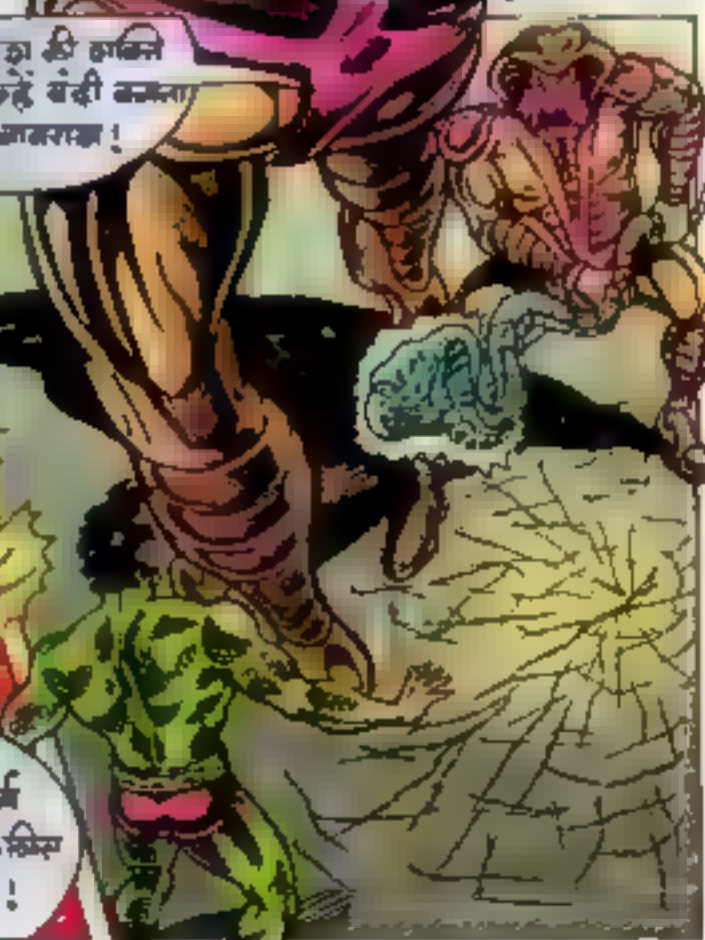
अरे! ये लाल तो मुप्ल हो गया

मगधराज की हानि से मैं नुम्हें बंदी बनाता है, मगधराज!



ऐसा मैं हर लाल के साथ कर सकता हूँ! पर तुम मानव लाल हो!

इसीलिए तुम पर ये हानि काम नहीं करनी! वरन् तुमको मगधराज से मुक्त करने के लिए तुम्हें स्वयं नहीं जान पड़ता!





अरे, कहाँ गब!  
बंदी गृह तो रखली है!

मैं  
यहाँ हूँ!

और अब नुम्हारी  
झन्डि का केंद्र यह दंड  
मेरे पास है!

अच्छा! तो  
नुम्हारे पास गणब होने  
की झन्डि भी है!

लेकिन यह दंड  
ज्यादा दूर तक  
नुम्हारे पास रह ही  
सकता

यह सही कह रहा है!  
दंड अपने आप इसकी  
तरफ़ चिक्चकाता जा रहा है!  
मैं इसको ज़्यादा दूर तक  
गेक नहीं पाऊँगा!

लेकिन अगर दंड इसके पास पहुँच गया तो  
मैं बचूँगा नहीं! मुझे दंड को इससे दूर करना ही पड़ेगा!

और इसका सबसे  
अच्छा तरीका ये है!

ये क्या किया  
नून, लमराज!

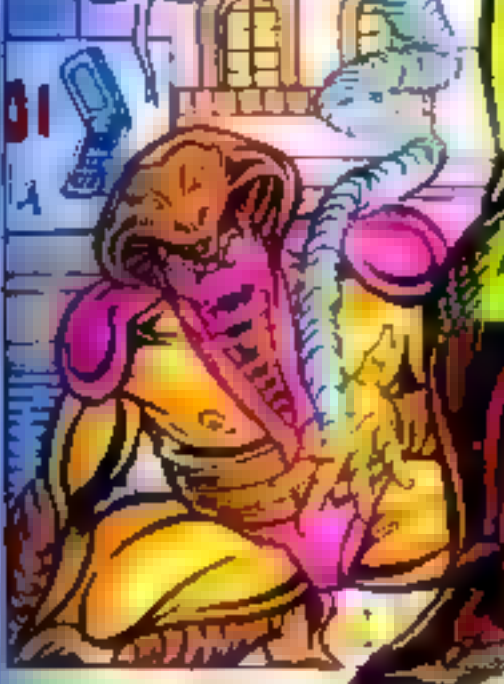
और ये कम नून होना  
मैं अपने के कह आराम से  
कर सकते हूँ!

पृथ्वी की ऊपर में घुसने  
उपग्रहों के पास भेज दिया है!  
अब वहाँ से दंड को बुला सकते  
हो तो बुला लो पाइनास!

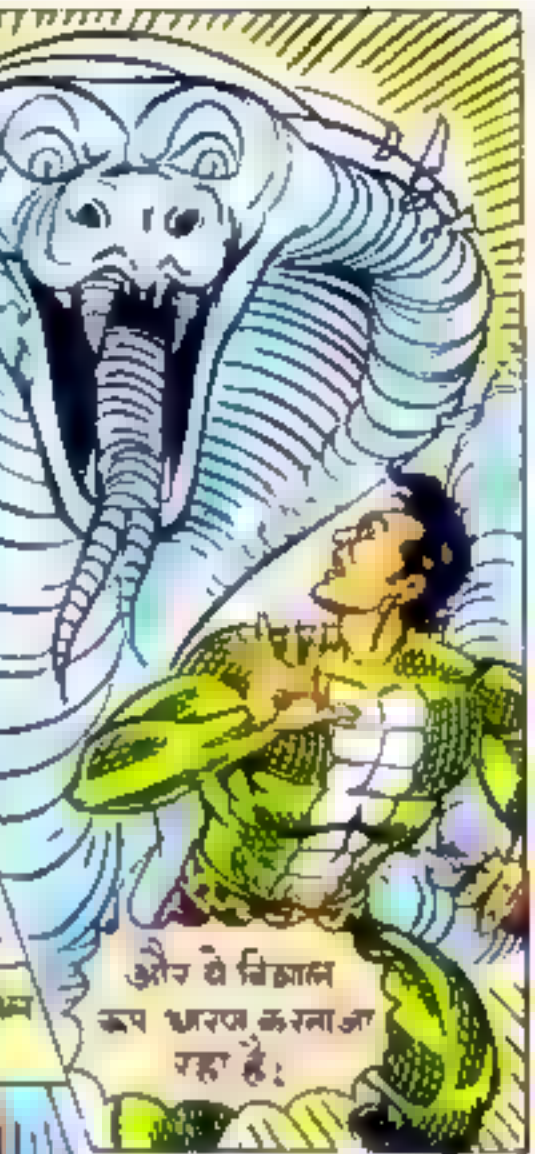
आइस हू! ये बिच!  
ऐसा बिच तो किसी भी नारा  
के पास नहीं है!



आइए! अब और  
कोई रास्ता नहीं है!  
मुझे अंतिम महाअस्त्र  
का प्रयोग करना ही  
पड़ेगा!



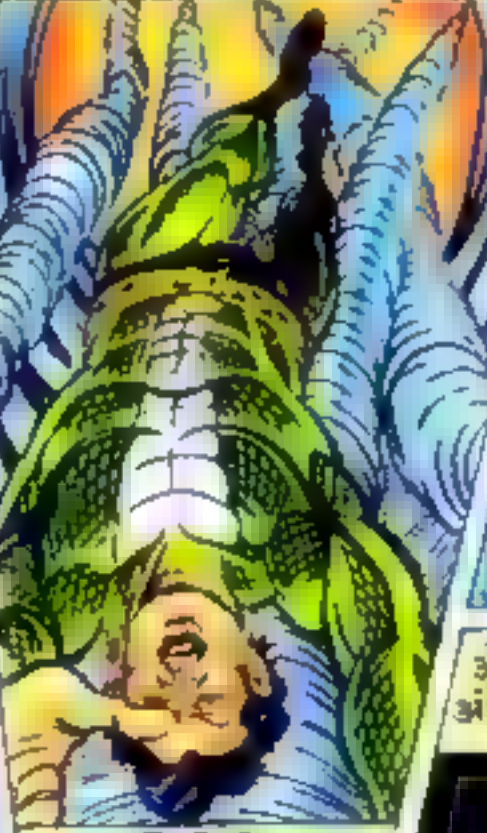
अरे! ये कैसा नाग  
है? इसका डरीर तो चक्र-  
कली वायु का बना हुआ  
है!



और ये विह्वल  
रूप धारण करना जा  
रहा है!

नागराज के कुछ समझ वाले  
में पहले ही नागराज वायुनाग  
के सृष्ट के अंदर था -

और वायुनागने उसके किमी अंजन मंत्रिम  
की तरफ स्वीचनी ल गयी थी-



हम डाकने से निपटला  
नागराज के बल की ही  
बान नहीं थी-



धीरे- धीरे नागराज का डरीर-

और उसका सम्प्लिक भी  
अंधेर में डुबना चला गया-



और पता नहीं कितनी  
देर के बाद-

उसे  
जागराज!

आखें  
झोको!

मुकदमे की कार्यवाही  
शुरू होने वाली है!



जागराज की  
जागराज में पधार  
रहे हैं!

सभी  
सबूत हो  
जायें!

जागराज पर आरोप है कि, उसने  
जागराजियों को सार्वजनिक में धरम  
किया, सार्वजनिक को जागराजियों से  
लाभ पहुंचाया, और जागराजियों  
का प्रयोग राजों के विरुद्ध ही किया।

आरोप न्याय  
हो चुके हैं!

आरोपी जागराज  
को जागराज में  
प्रस्तुत किया गया



कृपया अब  
सभी बैठ जायें!  
जागराज की  
कार्यवाही आरंभ  
होती है!

पहली  
सुनवाई आरंभ  
हो!

प्रथम सुनवाई जागराज  
बनाम राजा संहिता, सुनवाई  
संख्या 4228 है!

और ये तीनों ही  
कार्य राजा संहिता की धारा  
138 के अनुसार  
आपराधिक अर्थ में आते  
हैं!



जागराज, जागराज  
में हाजिर हो!



नामनाम को इस पर  
लगे अपरोप सुनाए  
जाए!

उसकी आवश्यकता नहीं है, सज्जनीय नाराधीन !

मैं अपने ऊपर  
नते आरोपों को मुक्त  
चुका हूँ, और उन  
सभी आरोपों से  
इंकार करती हूँ।

ठीक है! क्या  
 तुम अपनी तरफ से  
 किसी अनुभवी नारा  
 बकील को नियुक्त करना  
 चाहोगे या नाराधाल्य  
 नुस्खारे स्त्रिय अपनी तरफ  
 से एक नारा बकील  
 नियुक्त करे !

मैं अपना  
बचाव खुद  
करूँगा !

परंतु उससे पहले  
मैं ये जानना चाहूंगा  
कि ये आरंभ मुझे पर  
किसने तैयार है।

वे आरोपतुम  
पर आरोपार न्यायक  
सर्प ने ब्रह्मास हैं  
जिसको सजा दी  
ज चुकी है

अब नगरपालिका की  
नरक से नगराज से पूछताछ  
प्रारंभ की जाय: अधिष्ठाता, बकील  
फनीलाहा कार्यवाही आये बतायं।





श्रीमान नारायण, क्या आप नारायण को ये बनाने का कष्ट करेंगे कि आपको ये नारायणियाँ कम और कैसे मिलें ?

ये नारायणियाँ नन्हा से ही मिल पाय हैं !

चाही ये नारायणियाँ आपको न तो किसी ने दीं और न ही अपने किसी से मांगी !

बिल्कुल ठीक ! जहाँ तक मैं समझता हूँ मेरी नारायणियाँ देव नारायण की आशीर्वाद के कारण हैं !



और लोगों के देव, देव काय-जयी के नारायण का प्रयोग अपने लोगों के धिक्कुर ही किया !

मिर्च, पुर नारायणियाँ जो आपराधिक प्रवृत्ति रखते हैं और बिलाडा फैलाने हैं !

और ये अधिकार आपको किसने दिया कि आप लोगों पर अपनी नारायण का प्रयोग कर सकें ?

अपराधियों और बिलाडाकारियों का संकलन हर जगह का कर्तव्य है, इसमें शिवा किसी की आज्ञा के बिना आवश्यकता नहीं है !

इयान दिया जिस माननीय नारायण ! नारायण अपने आप ही यह निर्णय ले लेते हैं कि किस किस प्रकार से नारायण, पीटनी या समझाना है !



चाही इसकी दृष्टि में न तो नारायण का कोई महत्त्व है और न ही नारायण और नारायण का !



अब... आप मेरी बात को नाउ समझ कर पड़ा कर रहे हैं, फनीलाध ! मंच तो यह है कि मुझे नारायण या नारायण और नारायण के बारे में पहले पता ही नहीं था !

इस बात पर भी और कुछ नारायण कि नारायण को लोगों के विधि-विधान की कोई जानकारी नहीं है ! न तो ये बात हर स्थान पर जानना है !



और इसका अनुचित लाभ उठाने इस नगराज ने अपनी नगराजियों का प्रयोग सिर्फ अपराधी लोगों के विरुद्ध ही नहीं, बल्कि पूज्यनीय लोगों के विरुद्ध भी किया!

ये भूठ हैं!

महात्मा कालदुन को नगरपालय में बुलाया जाय!

भूठ-सच का फैसला अभी हो जायगा! क्योंकि अब मैं अपने पहले मराठों को बुलाने आ रहा हूँ!

क्या आप आगेपी को पहचानते हैं, महात्मा कालदुन?

महात्मा कालदुन नगरपालय में हाजिर होँ ११११११

और झीझ ही-

हां! ये नगराज है! मेरा मित्र, और मित्र!

मैंने रिश्तों के बारे में नहीं पूछा था। मैंने जब आपने इनको मित्र कह ही दिया है तो यह भी बता दीजिए कि अपने मित्र नगराज से आपकी पहली मुलाकात कब और कहाँ हुई थी?

नगराज कुछ अपराधियों के पीछे जगहटीप पर आया था। मेरी इससे पहली मुलाकात वहीं पर हुई थी!



हमारी जानकारी के अनुसार आपके मित्र नारायण से आपकी कई बार मुठभेड़ हो चुकी है। एक दो बार तो आपकी नारायण से टकराने के लिए महानगर भी जला पड़ा था। और अब मित्र नारायण ने आप पर घातक धर भी किया है। आपके स्थान पर कोई कम डाकिल वाला नाब होना तो इसकी जगह भी जा सकती थी। वह सही है या गलत ?



वरअसल ये सब अजाने में हुआ था !

सही या गलत ?

सही है !

माननीय नारायण ! नारायण अपनी डाकिलों का प्रयोग करते समय यह बिल्कुल नहीं देखते कि उनके सामने कौन है। अभी कुछ दिनों पहले ये हम सबके प्रियजीव महाराज के डोचनान से भी भिड़ गए थे।



नारायण सभी बानों पर गौर कर रहा है !

मेरा ही अनुचित व्यवहार नारायण ने कई महानगरों के साथ किया है। अब मैं अपने दुमरे महार को बुलाना चाहूंगा। मेरे अगले शत्रु हैं...



... तक्षक राज, नारायण में लजिर है !



तक्षकराज, हम जानते हैं कि आप सत्य ही बोलेंगे। क्योंकि नारायण के समक्ष कोई भी नाब कुछ नहीं बोल सकता !

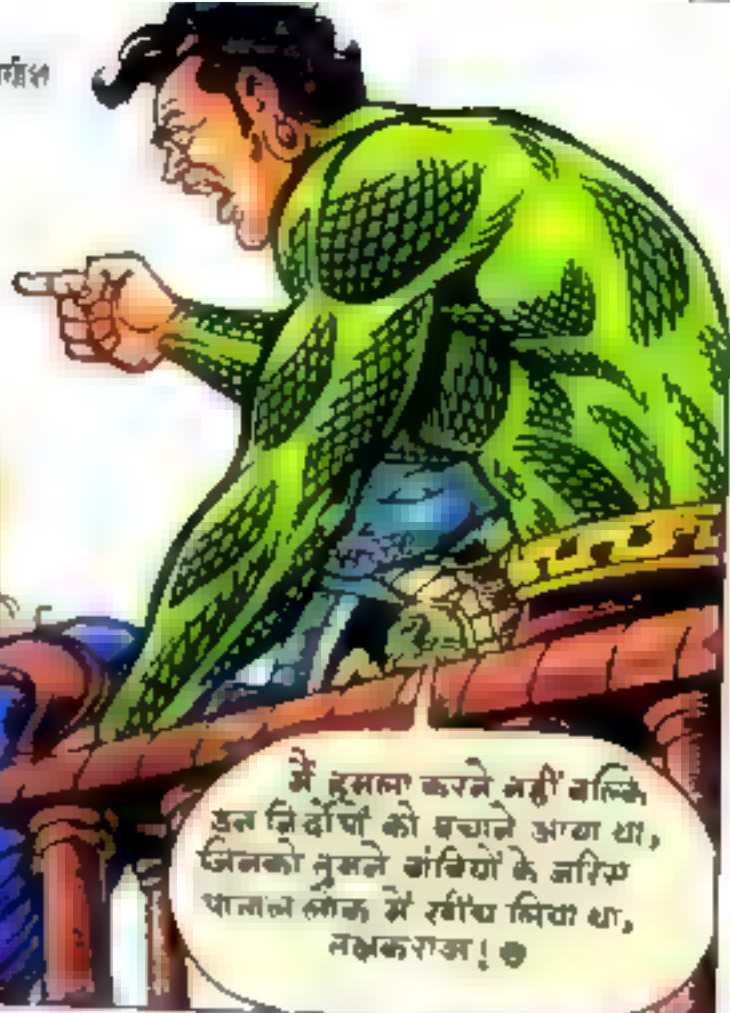
नारायण से आप पहली बार कब मिले थे ?

नारायण से मेरी मुलाकात तब हुई थी जब ये पानालोक में आया था !

दुध पीने ? सोज करन ?



जी नहीं! तब तो मैं नारायण को नमस्कार भी नहीं था! नारायण शक्ति नारा की एक लारी के साथ पालास लोक पर हमला करने आया था!



मैं हमला करने नहीं बल्कि उन निर्दोषों को बचाने आया था, जिनको मुझने बाँधियों के जरिये पालास लोक में रबींध लिया था, नरकराज!

आरोपी नारायण कीच में बोलें! इसको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जायगा!



हां, तो नरकराज, एक नारायण होने हुए भी नारायण मे आप पर हमला किया?

वे सच है। नारायण ने मुझे दो भागों में भी बाँट दिया था।

और मुझे घुटने टेकने पर मजबूर भी कर दिया था!

मुझको अपनी सफलता में कुछ कहना है, नारायण?



अब ठीक कहना है नारायण! मैंने किसी भी लारा पर पहले हमला नहीं किया! मैंने जो भी किया वह अपने बचाव में किया, और हर कानून हर प्राणी को अपने बचाव की इजाजत देता है!





तुम अपने बचन में किसी को बुलाना चाहते हो ?

हां, नागधीअ ! मैं नागद्वीप की राजकुमारी कुमारी विसर्पी को बुलाना चाहता हूं !

कुमारी विसर्पी को नागद्वीप में बुलाना जरूर !



नागराज ! तुम नागद्वीप में क्या कर रहे हो ?

मूर्ख पर नागधर्मियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है विसर्पी !

और मैं चाहता हूं कि तुम नागद्वीप को सचवाई बताओ !

और ऐसा सिर्फ तब भविष्य क्योंकि नागराज कभी इसी का दुरुपयोग नहीं करता है !

सचवाई तो यह है कि आज के दिन अगर नागों के मुख्य निवास नागद्वीप का अस्तित्व बचा हुआ है तो सिर्फ नागराज के कारण !

बर्न नगीना, विरंधर और इनके ही जैसे मना के नागधी मर्प कभी का नागद्वीप को नकाह कर चुके होते ! मैं ऐसे एक नहीं, अनेकाने इलाहण दे सकनी हूं, अब नागराज ने नागद्वीप को और अग नानि की रक्षा की है ! जैसे कि एक बार...

नागराज एक आदर्श व्यक्ति है ! नागद्वीप का हर मर्प समझ नागराज जैसा बनना चाहता है !



एक क्षण ! इससे पहले कि कुमारी विसर्पी, नागराज के 'आदर्श व्यक्ति' पर प्रकाश डालें, मैं इनसे कुछ पूछना चाहता हूं !



आज्ञा है !

हां, तो कुमारी विसर्पी, क्या यह सच है कि आप नागराज से प्रेम करती हैं ?

क्या ? इस प्रश्न का इस मुकाम पर क्या संबंध है ?





और नागराज से आपका विवाह दो बार होते-होते रुक गया था !

हां, ये सत्य है !

उत्तर दें कुमारी विसर्पी !

इस तथ्य पर ध्यान दिया जरा माननीय नाराजी कि कुमारी विसर्पी नागराज से प्रेम करती हैं और इनका भाई अभी नागराज की छत्रछाया में है !

इसीलिए नागराज के लिए इनकी सत्ता ही कोई मायने नहीं रखती ! ये नागराज के लिए जो भी बोलेंगी अटका ही बोलेंगी !

और क्या यह भी सत्य है कि आपका छोटा भाई, नागदीप का होने वाला सहाय कुमार विधांक आजकल नागराज के साथ महानगर में रह रहा है ?

आधुनिक ज्ञान के लिए ! वह वहां पर पढ़ रहा है !

नारायण के सियमों के अनुसार कुमारी विसर्पी की राजकी मान्य नहीं है .



ये तो अन्याय है, नागाधीश !

ये नियम पूरे विश्व में मान्य मान्य है, नागराज !

अब मैं वापस नागराज पर आता हूं ! यह तो मैंने व्यवस्था स्थापित कर दिया है कि नागराज अपनी इच्छितियों का प्रयोग उर्वर सोचे-समझे करते हैं !

अब मैं दूसरे आरोप पर आता हूं ! और वह आरोप नागसंदिता की धारा 314 के संसीर उल्लंघन के बारे में है !

आपने बताया कि ये इच्छितियों आपके पास जन्म से ही हैं ! क्या आप अपने ज्ञान-पिता का नाम और काम बता सकते हैं ?

मेरे पिता नक्षत्राज, नक्षत्रनगर के राजा थे और माता अक्षित देवी वहां की महाराज्ञी !



तबकनगर तो  
मानवों का एक  
काहर था!

जी हाँ!

नगरवाले यह मान रहे हैं कि वे स्व-  
मानव होने के बावजूद भी नाग-  
इन्द्रियों को धारण करते हैं और  
मानवों के बीच में इन इन्द्रियों  
के साथ भी रहते हैं!

तो श्रीमान नागराज, क्या  
आप बता सकते हैं कि आपने  
जिन 'अपराधी नागों' पर  
नागइन्द्रियों का प्रयोग किया  
वे क्या-क्या करते थे?

थानी आप मानव  
हैं! या वृ कहें कि  
अब मानव नाग हैं!

ये तो स्पष्ट  
है! और ये सभी मानव  
हैं!

मेरा मतलब... वे कब  
पर और कैसे बिनाहा  
फैलाने थे?

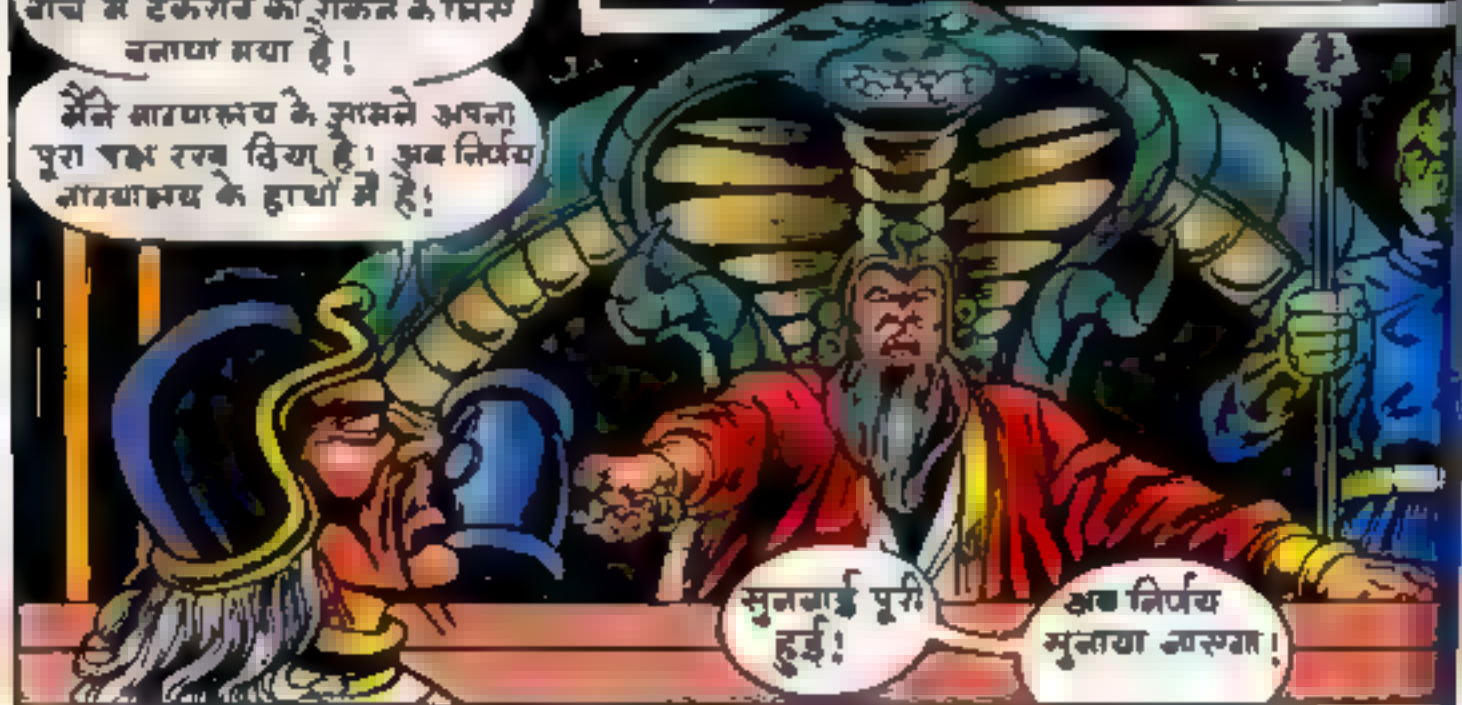
स्वतन्त्र नागाधीश, नागराज को इन  
मानवों की कोढ़ चिन्ता नहीं थी जो वह  
सुरंग बनने से बेचर हुए! इनको चिन्ता  
थी तो मानवों की! नागसंहिता के अनु-  
सार कोई भी नागइन्द्रियधारक सिर्फ  
नागों के बीच में रह सकता है, मानवों  
के बीच में नहीं!

आपके सामने उसी-उसी  
आम्रपार सर्प का लज्जा उदाहरण  
है! वह मेढो देन पर हमला  
करके, मैकहों नन्हे खनरे में दफन  
रहा था! इसीलिए मुझे इसको  
रोकने के लिए इस पर नाग-  
इन्द्रियों का प्रयोग करना  
पड़ा!

उसी मानवों की  
जानें बचाने के लिए  
नागइन्द्रियों का प्रयोग  
समय के विरुद्ध किया,

यह निर्णय मानवों और नगों के  
बीच में टकराव को रोकने के लिए  
बनाया गया है!

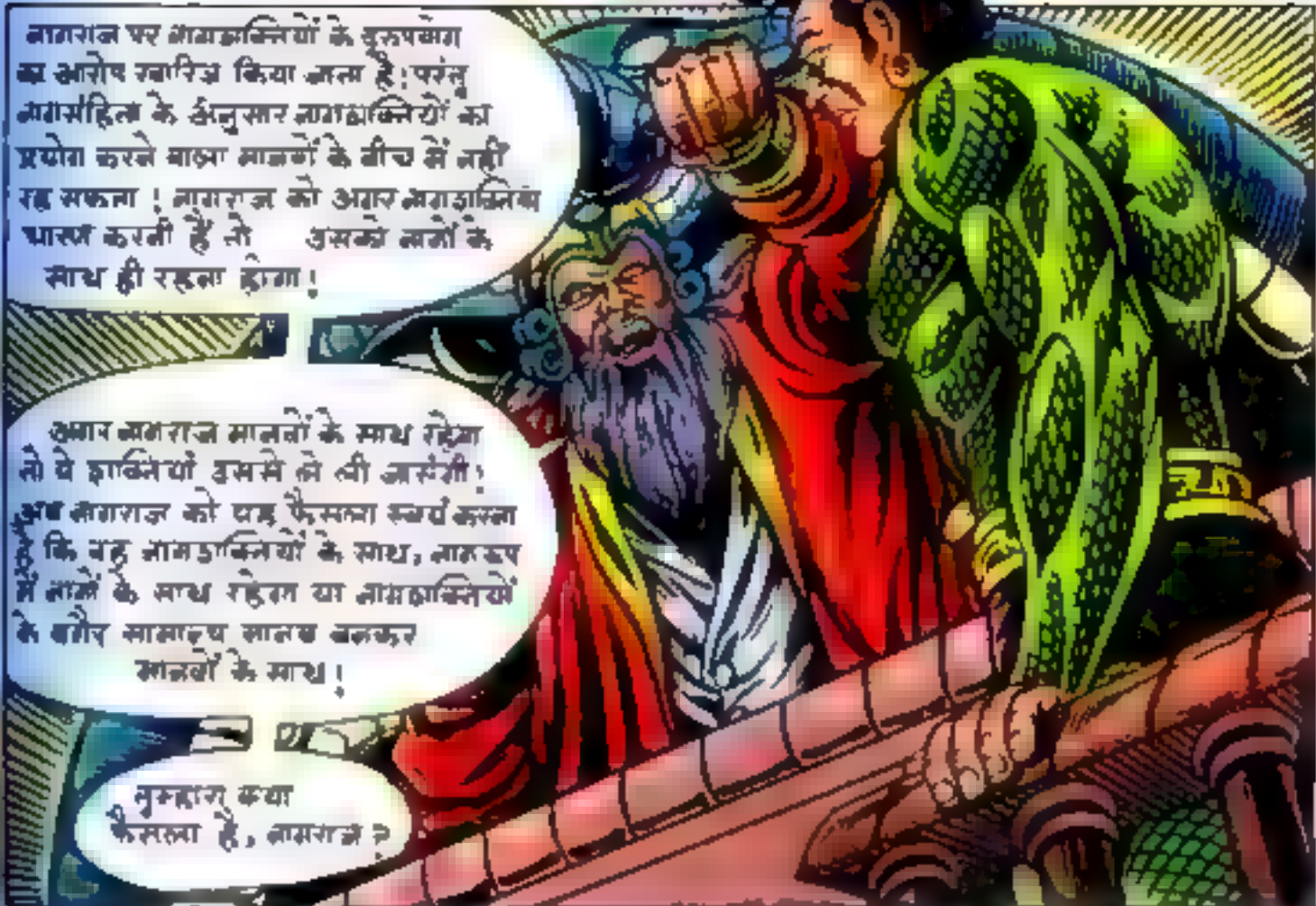
मैंने नागधाम के सामने अपना  
पूरा पक्ष रख दिया है! अब निर्णय  
नागधाम के हाथों में है!



सुनवाई पूरी  
हुई!

अब निर्णय  
मुत्तारा नगराज!





नागराज पर नागार्थियों के दुरुपयोग का आरोप स्थापित किया जाता है; परंतु नागसंहिता के अनुसार नागार्थियों का प्रयोग करने वाला मानवों के बीच में नहीं रह सकता! नागराज को अगर नागार्थियों धारण करनी हैं तो उसको मानवों के साथ ही रहना होगा!

अगर नागराज मानवों के साथ रहेगा तो वे शक्तियाँ उससे ले ली जायेंगी! अब नागराज को यह फैसला स्वीकार करना है कि वह नागार्थियों के साथ, नागराज में मानवों के साथ रहेगा या नागार्थियों के बिना सामान्य मानव बनकर मानवों के साथ!

मुझ्हाग क्या फैसला है, नागराज?

मैं नागसंहिता का सम्मान करता हूँ और लोगों के लिए मेरे दिल में बहुत प्रेम और सम्मान है। लेकिन मैं मानवता और मानवजाति की भलाई की इच्छा ली हुई हूँ। इसी लिए मैं मानवों के साथ रहना ही पसंद करूँगा।

नागराज! तुने नागार्थीज की शक्ति का पहचान नहीं है। तुने अपना फैसला सुना दिया है! अब नागार्थीज का फैसला भी देख ले!

हे न्यायदेव की शक्तियाँ...



और जो शक्तियाँ मेरे पास हैं वे देव कालजयी का आशीर्वाद हैं!

इन शक्तियों को न ले कोई मुझसे ले सकता है और नहीं मैं इनको छोड़ सकता हूँ!



नागराज की नागाछत्तियों  
को हार लो !

आ SSS ह !  
ये... ये नहीं हो  
सकता ! मेरा नागा  
मुझसे अलग नहीं  
हो सकता !

अभी भी  
समय है ! फैसला  
बदल ले, नागराज !

मैं फैसला  
नहीं बदल  
सकता नागा  
धीडा, मैं  
बिबहा हूँ.

तो फिर हम भी  
बिबहा हैं, नागराज ! तुम्हारी  
नागाछत्तियाँ तुमसे भीनी  
जाती हैं !



आओ मानवों के पास  
और सामान्य मानवों की  
तरह जीवन व्यतीत  
करो !

नुम्हारी नगाडाकियां  
मेरे पास ही रहेंगी ! अब भी  
नुम्हारा कैसला बदलो, नगाधीश  
के पास आ जाना !

नगाधीश फिर से  
नुम्हारे पूर्ण नगराज  
बना देगा !

अब आओ मानवों  
की बस्ती में !

आ SSSSSS

TTSSSSSSSSSS

ओ SSSSTTह !

ANCE BAR

ओर ! ये नंगा  
कहा से आकर मिरा है ?  
दारू पीकर पैसे नहीं  
दिस क्या ?

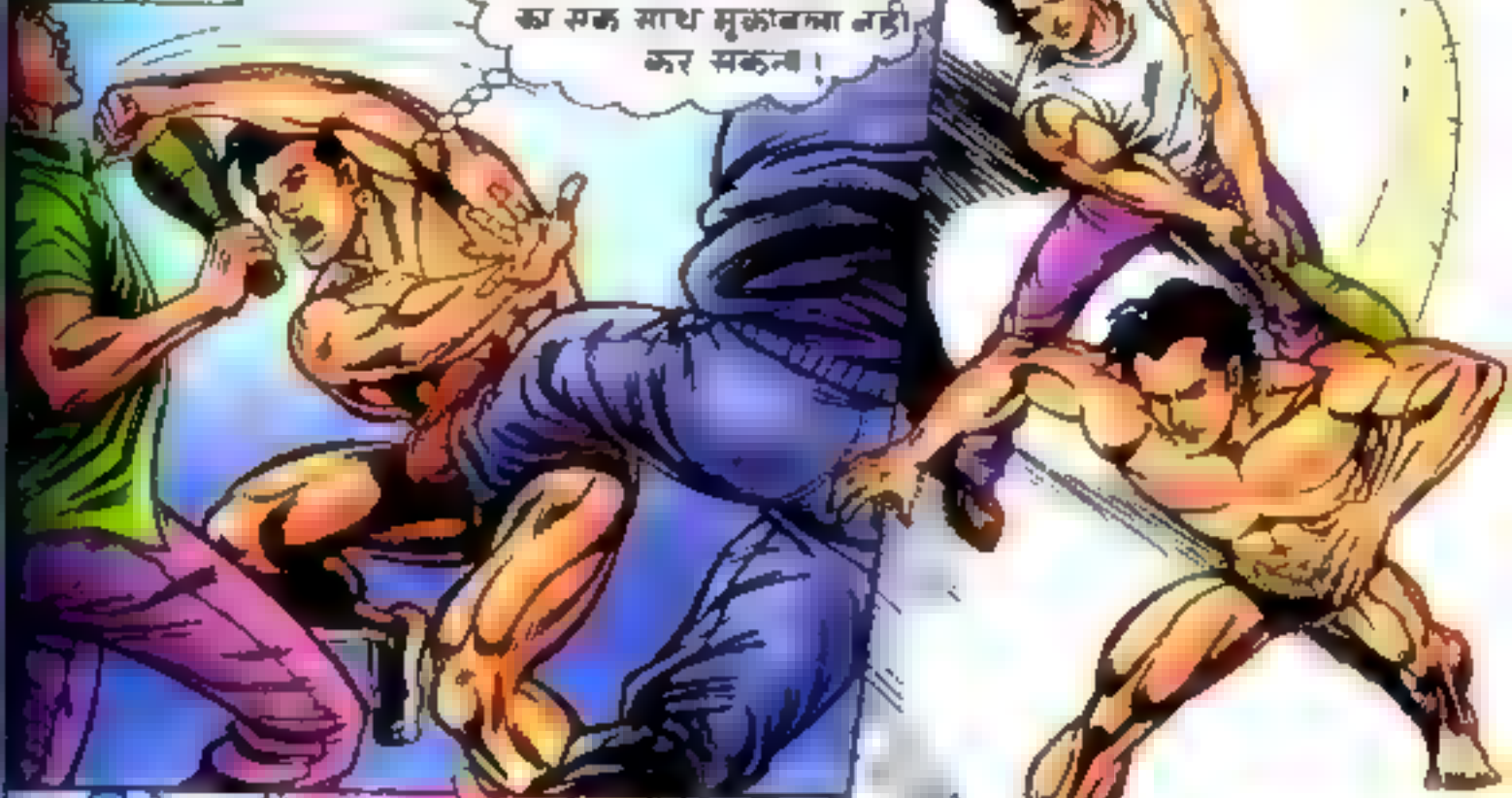






आज वसुको पहली बार इस बात का सहसास हो रहा था कि माझान्य शरीर पर पहुँचे जाने वाले का क्या असर होता है-

आस है! बहुत कमजोरी महसूस हो रही है! और मैं माझान्य की मदद से बचने का आदी हूँ! इस स्थिति में मैं इन तीनों का एक साथ मुकाबला नहीं कर सकता!



कैडेट्स ऑफ कलॉनी पोर्स ऑफ महानगर नगरपाल संर



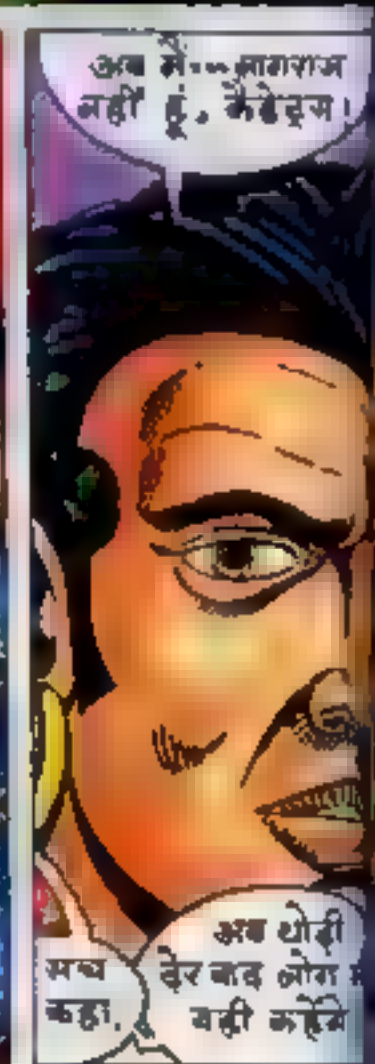
हम सभी कैडेट जुजुम्सू ब्राउन बेल्टर हैं, सर!



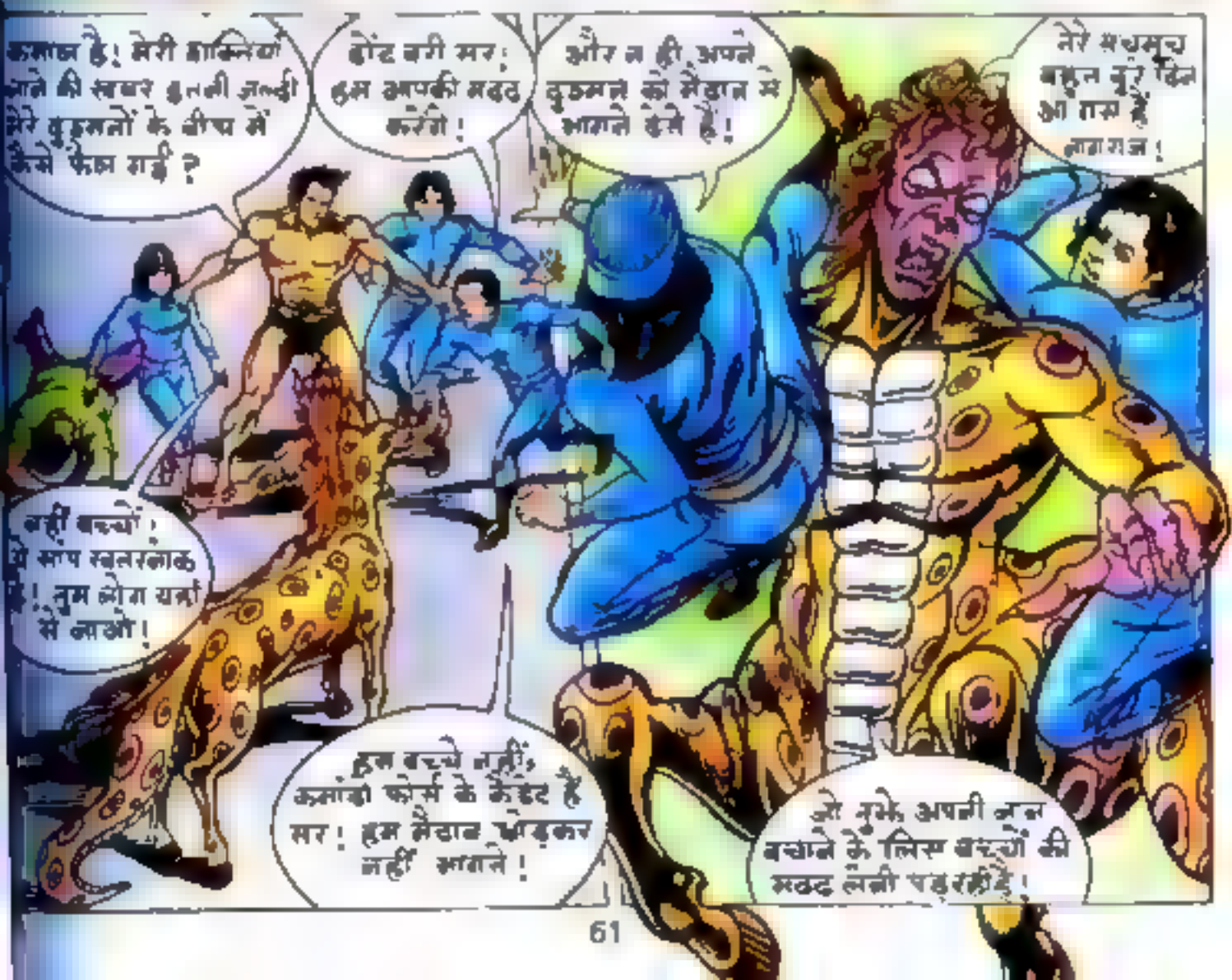
लेकिन तुम लोगों को मेरी मदद के बिना कैसे भेजा है ? तुम लोगों को कैसे पता चला कि मुझको यहाँ पर मदद की जरूरत है ?

ये पक्षी हमारे कैप्टन भूष के दोस्त हैं सर। वे ही हमको यहाँ पर लेकर आये हैं, कैप्टन ने इन पक्षियों को स्पेशल ट्रेनिंग दी है।

वैसे हमने इसकी खबर राजनगर के कमांडो फोर्स हैड क्वार्टर में भी भेज दी है।











हटा

मच्छर कहीं के!

हटा

नागराज, नगराज  
शक्तियों के बगैर भी इतना  
सक्षम है कि मुझ जैसे कीड़े  
को मार सके!

विकड़!  
तुने बच्चों पर  
बार करके, अरुध  
नहीं किया

ध  
ध  
ध

मेरा यह बार  
तो मेरे ऊपर पड़ी  
जमी धूल तक  
नहीं उड़ा पाया

लेकिन मेरा सक्  
ही बार मेरे प्राण-पत्थर  
उड़ा देगा!

मुझे अंदाज़ा नहीं था  
कि छोट लगने से इतना दर्द  
होता है। बगैर शक्तियों के  
मैं अपनी जान नहीं बचा  
सकता!

आ sss ह!



आऽऽऽ

तु फिर आ गई ?  
इस बार मैं तुम्हें...

... अपने सुरों  
से गैद बालूया !  
तेरी हड्डियों का  
सुरमा बना डालूंगा !



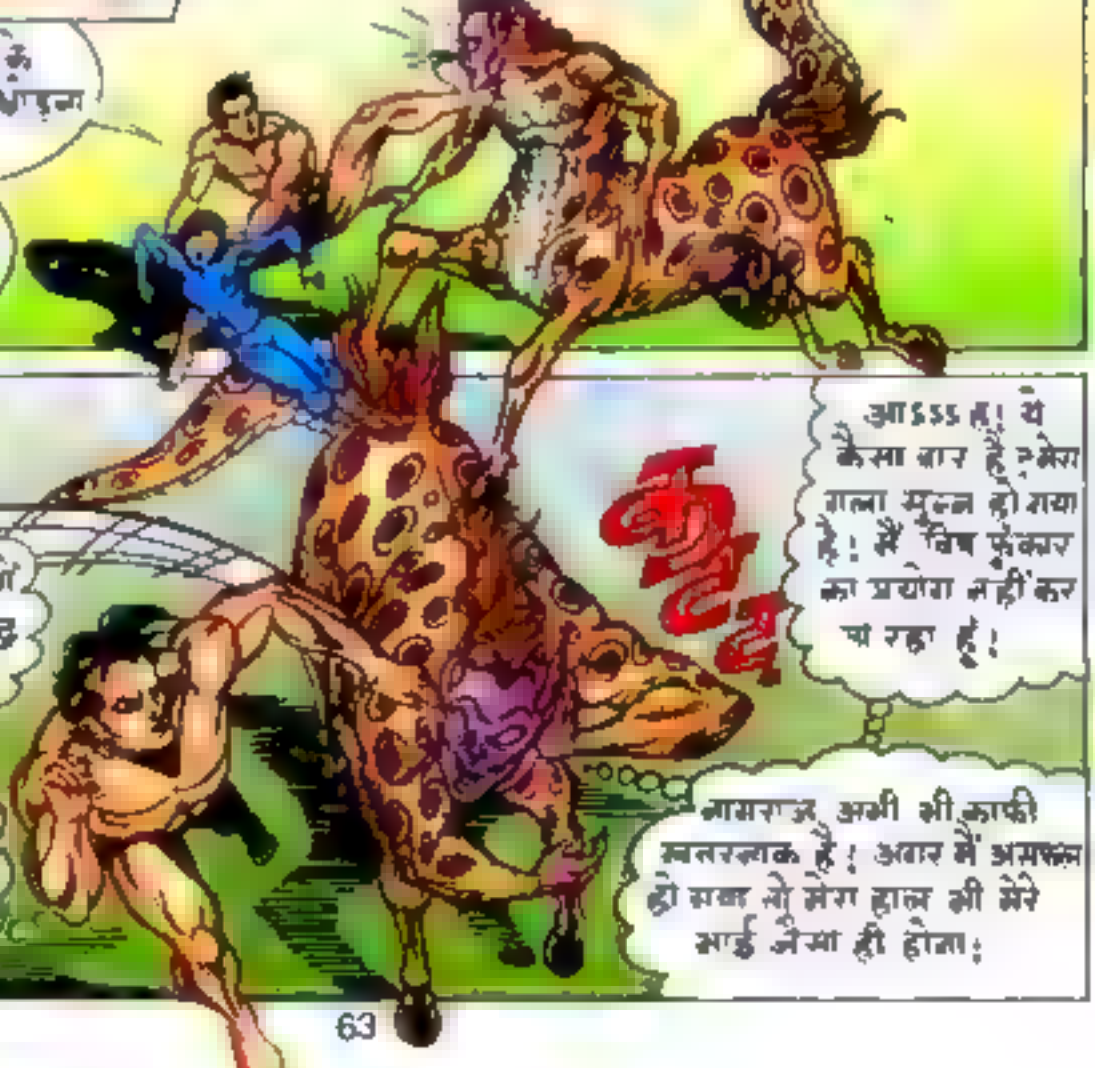
नागराज को मेमों की रक्षा के  
लिए ही नागाडान्तियों को छोड़ना  
पड़ा है, बिषाडव !

मेरे जीवित रहने से  
इसको नुकसान नहीं  
पहुंच सकता !

मेरे कर्तों में इनका इस  
नहीं है कि बिषाडव को  
नुकसान पहुंच सके !

अब मुझको अपनी इच्छियों  
पर नहीं, बल्कि अपनी कुतू  
हलाओं के ज्ञान पर निर्भर  
रहना होगा !

स्नेक फाउंटिंग के दावों  
से इसके गर्म रक्तों पर  
ग्रहण करना होगा !



आऽऽऽ ह ! ये  
कैसा बार है ! मेरा  
गला मुन्न हो गया  
है ! मैं बिष फेंकार  
का प्रयोग नहीं कर  
पा रहा हूँ !

कुतूहल

नागराज अभी भी काफी  
खतरनाक है ! अगर मैं असफल  
हो सकू तो मेरा हाल भी मेरे  
भाई जैसा ही होगा !



विषाख की दुम भरना उठी-

अब न बिचड़  
के दुम लोगों से  
नहीं बच पसमा  
लगराज !

अब ३३५ ह। एक तो दूसरी दुम  
कुंठली की तरफ मेरे बदन को कस-  
कर मेरी हड्डियाँ तोड़ रही  
हैं...

... और दूसरी तरफ, ये मुझे  
पटक-पटक कर रही मेरी कमर  
निकाल रहा है!

तो आँखों के आगे  
अंधेरा भी घाते लग रहा है!

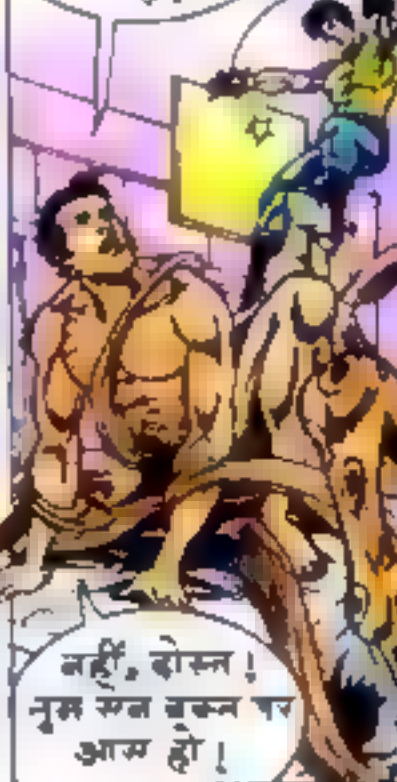
अब बचनी मुश्किल है!

लेकिन अभी-

सभी बांधल एक-एक  
करके टूटने वाले गाय-



... भूत खुद वहाँ  
पर पहुँच गया  
है!



नहीं, दोस्त!  
तुम सब बदन पर  
आस हो!

श्री  
लगराज !

मैं मृचन  
सिद्ध ने ही बना  
पड़ा था !

लेकिन फिर  
भी, लगना है  
छोटा सेट हो  
गया !





लेकिन मुम्हारी ये राजत क्यों हो गई है, जगज्ज ?

जाग-न्यायालय में मुम्ह पर जागजाकितियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया और मेरे जागरूप को मुम्हसे अलग करने मेरी जागजाकितियों को भीत लिया गया !

मुम्ह पर ऐसा आरोप ? ऐसा आरोप मुम्ह पर लगाया किसने ?

अगरार जग के एक अवराधी सर्प ने ! लेकिन मुम्हे पता है कि उसने ऐसा किसी के कहने पर किया है !



और अब मेरे सामने जागजाकितियों को आपस चले का सक् ही रास्ता है !

उस चढ़चढ़कारी को कुंठना और उससे सच जगज्जाना !

ये काम तो मुम्ह बहुत आसानी से कर सकते हो ! इस सर्प को पकड़ कर !

मुम्ह पुरा यकीन है कि इसको भी उसी चढ़चढ़कारी ने भेजा है !

बर्ना ये इतनी जल्दी मुम्ह पर हमला करने के लिए सही जगह पर न पहुंचा जाना !



ये काम तो मैं ही सोच रहा था !

अब मुम्हे अपना पूर्ण जागरूप धारण करना ही पड़ेगा !

किर मैं इन दोनों को सही जगह पर पहुंचाऊंगा !

इस समय मैं !



आइस है! ये  
घोड़े सर्प तो बहुत  
खतरनाक है!

इनमें लोगों  
की चपलता और  
घोड़े की दृष्टि  
होती है! इसीलिए  
अक्सर सब से  
घातक सर्पों में से  
सक माने जाते  
हैं!

फिर तो इस  
पर घोड़े की काबू में  
करने वाला नरीक  
आजमाना पड़ेगा!

घोड़े की काबू में  
करने के दो तरीके होते  
हैं! एक तो उस पर सवारी  
करना और दूसरा उस  
पर लगान केसना!

अब यहां पर  
लगान कहाँ से आसगी?

ये  
रही लगान  
मागरान!

नूम इस पर  
लगान कैसे  
में इस पर सवारी  
करके इसका  
खान बंटता  
है!

आसगी! इन तीन  
पेड़ों की डेढ़ों  
की मदद से हम लगान  
बनसंगे!



घोड़े की रुक ही मानसिकता होती है! उसको पसंद नहीं होता कि कोई उस पर सवारी करे-

लेकिन अगर वह सवार को गिरा नहीं पता तो वह धकना जाता है-

वह उसको गिराने की भरसक कोशिश करता है-

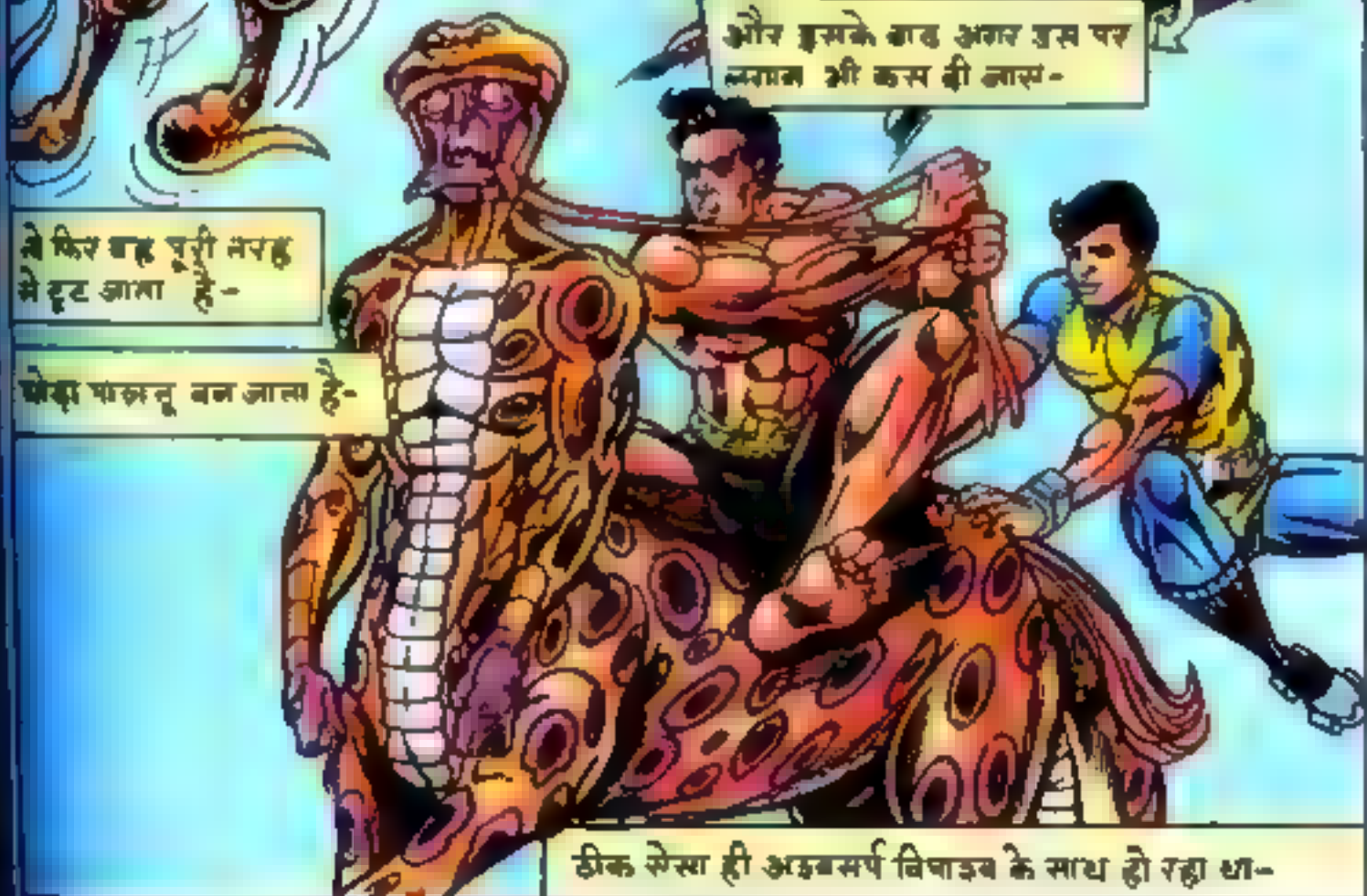


उसका आत्मविश्वास टूटना जाता है-

और इसके बाद अगर उस पर लगान भी कर दी जाए-

तो फिर वह पूरी तरह से टूट जाता है-

घोड़ा पोलनु बन जाता है-



ठीक ऐसा ही अइबर्स विषाड के साथ हो रहा था-





लेकिन नहीं-

अरे! ये तो  
मायबू हो रहा  
है!

यानी  
इसके पीछे जरूर  
कोई है,  
और वह नहीं  
चाहता कि इसकी  
जुबान खुले!

अब ये हमारे काबू  
में है, नागराज! यनाओ  
अब इसका क्या करना  
है?

इसको स्मोक पार्क में  
चमते हैं। वही एक जगह है जहां  
पर इसको कैद में रखा जा सकता है!  
वहां पर पहले इसका बिजु विचलता  
जायगा, और फिर मैं इससे घटा  
करेंगा कि इसको भेजने वाला कौन है?

अब हम  
इंतजार के  
आमना कुछ  
नहीं कर सकते  
नागराज!

और यह इंतजार मुझे  
सज बनकर करना  
होगा!

तब तक मैं...  
ओह! मैंसेज आ  
रहा है!

ओह! आई  
सम थोड़ी  
नागराज!

हमें इसकी तरह  
फिर कोई जरूरी  
काम निकल आया  
है! मुझे जाना  
होगा!

ताकि मेरा कुछसम  
मुझे न दूँ पाया! और  
मैं उसको दूँ सके!

मेरी नजर  
पड़े तो मुझसे  
संपर्क कर लेना!  
जहाँ-वहाँ रक्षकों  
की फ्रीक्वेंसी  
पर!

कर सुरंग  
लेकिन अभी  
करना है कि  
मुझे उसमें  
नजर न  
पड़ेगी!



नगीन का गुस्मा लोहे की तरह फूट रहा था-

लिकम्मा है तु! डोर बनकर गया था और कुत्ता बनकर लौट आया है!

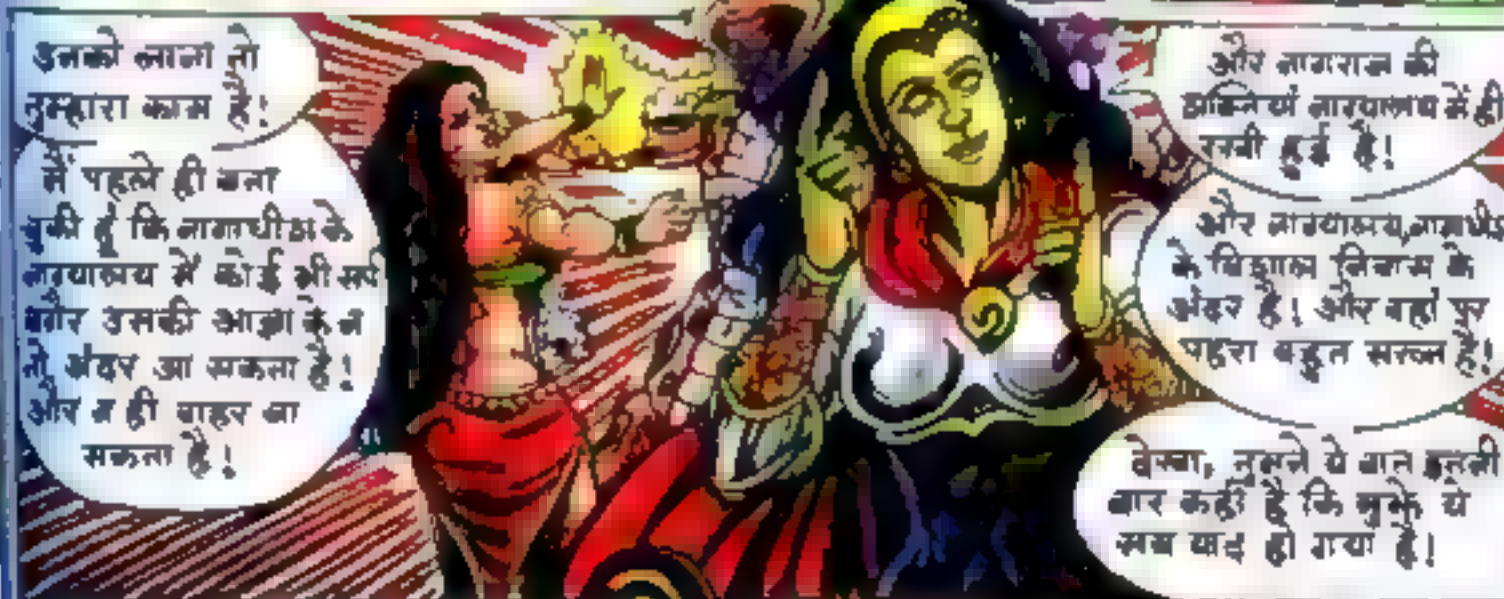


पावन कुत्ता!

मेरे नागराज की शक्तियाँ धरण करने से पहले नागराज का सरज बहुत जरूरी है!

बर्ना वह अपनी शक्तियाँ बापस पाने का प्रयास करता ही रहेगा!

अरे, पहले इसकी शक्तियाँ अपने पास आने दो!



उनको जाना तो तुम्हारा काम है!

मैं पहले ही बता चुकी हूँ कि नागाधीश के नागधाम में कोई भी सर्प बिना उसकी आज्ञा के न तो अंदर आ सकता है! और न ही बाहर जा सकता है!

और नागराज की शक्तियाँ नागधाम में ही रखी हुई हैं!

और नागधाम, नागाधीश के विशाल निवास के अंदर है! और वहाँ पर पहरा बहुत सरज है!

वेसा, तुमने ये बात इतनी बार कही है कि मुझे ये सब याद हो गया है!



फिर कहाँ है तुम्हारा वरुण का इकका?

ये क्यों है?

वरुण का इकका! दुनिया का सबसे शक्तिशाली और, फैकर!

नागधाम में कोई सर्प अंदर नहीं जा सकता, पर इंसान तो जा सकता है!

यहाँ है! साफ कीजिय आने में छोड़ी देर हो गई!





ये लासगा लागी थी के  
निवास मे नागराज की  
शक्तियों को !

जह! मान मर  
तेरी सोच को मिस  
किलर !

बीस  
मिनियन ?

नो !

तीस  
मिनियन ?

नो !

फिफ्टी  
मिनियन ?

नो !

रु, रु, रुक  
मिनट ! ये नागराज का  
क्या भफड़ा है, भई ? अपुन  
चोर है, कोई सुपर  
विलेन नहीं है !

अपुन को  
नागराज के भफड़े  
में नहीं पड़ने का !

अपना टेस  
मिनियन डॉनर  
अपने पास ही रखो !

ओ. के. ओ.  
के. ! फिफ्टी  
परसेंट सड़कें



ये लो फिफ्टी  
मिनियन डॉनर  
कैडा !

ही ही ! हिच्च !  
ही ही ही !

'बेट' क्या  
होना है ?

इंतजार  
पाईनर !

मालूम कब  
मिलेगा ?

नो क्या है लासगा...  
लासगा... नो भी है ! उसका  
सब्स देने का और बन दे बेट  
करने का !

मैं इंतजार नहीं  
कर सकती ! मुझे  
शक्तियां मिलने से पहले  
नागराज को मारना  
है !

मैं  
नागराज को  
मारने खुद  
जाऊंगी !

और मुझे  
पता है कि  
नागराज कहां पर  
मिलेगा



भारती कम्युनिकेडॉस, मद्रास में-

ये क्या  
अनर्थ हो गया,  
जगन्नाथ ?

अब  
तुम्हारा क्या  
प्लान है ?

मुझे पूरा यकीन है कि ये  
कोई पदार्थ है, वही इतने बर्षों  
में ये कार्यवाही मुझ पर पहले ही  
की जा चुकी होती !

जगन्नाथ ! यह नहीं  
समझने कि बदलते  
समय के साथ कानून  
की धारामें भी बदलती  
रहती हैं !

और जो समय  
के साथ नहीं बदलते,  
समय उनको मिटा  
देता है !

मुझे उस बहुचर्चकरी  
तक पहुंचकर जगन्नाथ  
की आँखें खोली हैं !

ओफ ! कोफी खत्म  
हो गई है ! एक मिनिट  
रुको !  
मैं अभी स्टोर  
में कोफी लेकर  
आती हूँ !

बी बिल टॉक  
ओवर स कप ऑफ  
कोफी !

कोफी,  
कोफी ! ये  
रही !

सैडन !

हां, कहे !  
यहां अधि में  
क्या कर रही  
हो ?

आपका  
इंजिन !

मेरा इंजन ?  
कौन हो मुन ?

अपने आपको ही  
नहीं पहचानती, सैडन  
भारती ?

हाट ? तुम !





अब तुम क्षमा कर दो जिस क्षमा करती।

पृष्ठ 331

क्योंकि तुम्हारा काम अब नवीन संभावना है।

TORE



यही वह जगह है जहाँ से जगत् की सबसे सबसे पहले प्रसारित होती है। यही भारतीय का नाम से गहरा संबंध है। मैं भारतीय बनकर भारतीय की कर्मी पर बैठूँगी, और जैसे ही जगत् में सामने आया मैं उसका अंत कर दूँगी।



अरे, भारती! बहुत देर लगा ही काफी लाने में।

और... अरे तुम काफी देकर नहीं आई।

हाँ... वो... सिर्फ नहीं... सिर्फ नहीं!



कोई बात नहीं! मेरा वैसे भी काफी पैसे का बूढ़ नहीं था!

अच्छा हुआ भारती! तुम बहुत चुपचाप हो! कोई बात है क्या?

ह... हाँ! ठीक है!

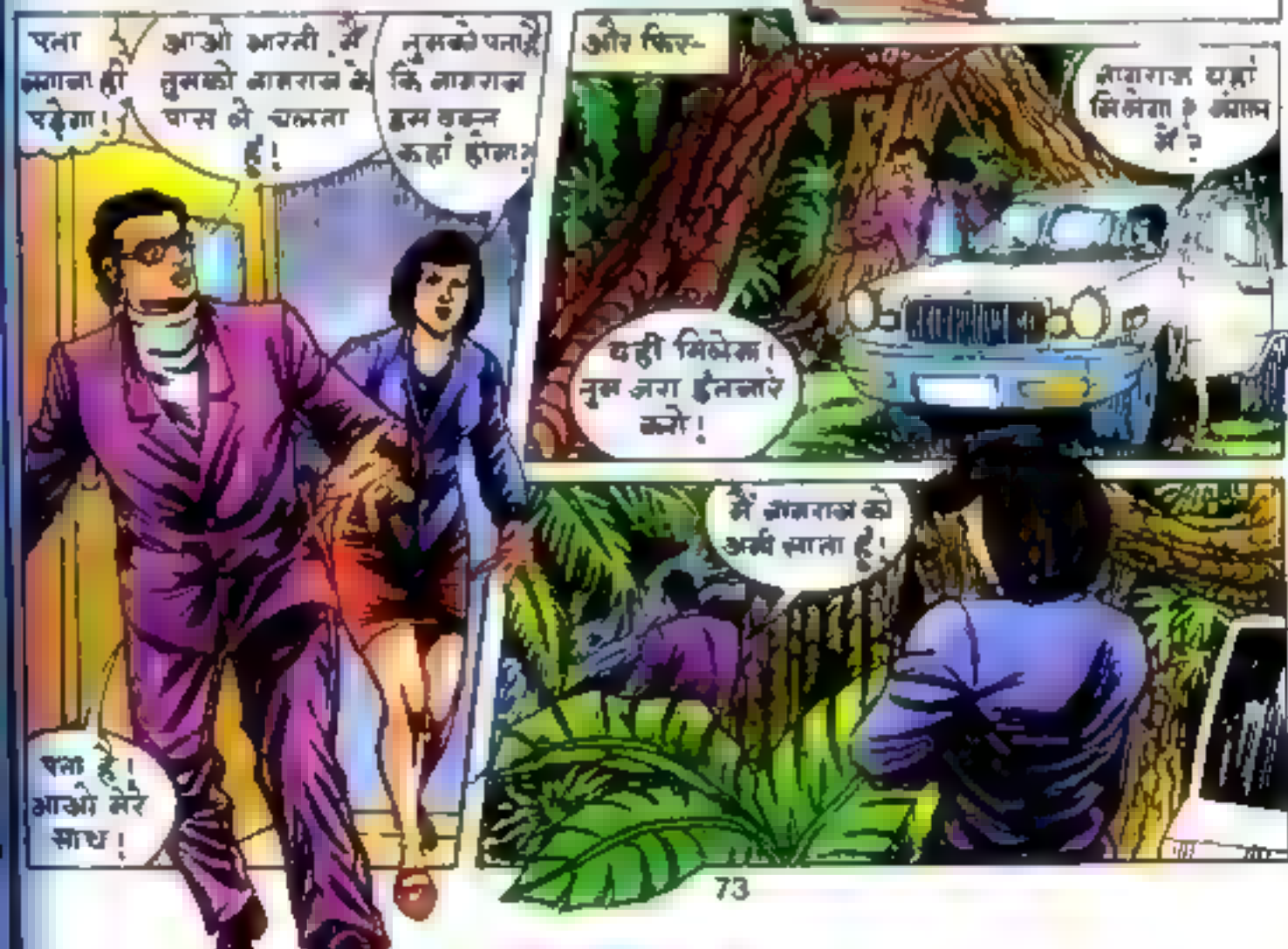
कहीं ये ही तो नाम नहीं है! हाकल ने मिलनी है। कानों बालियाँ भी पहने हैं लेकिन... ऊह!

ये हाकल से ही मुझे भगता है! ये नाम नहीं हो सकता।

पर ये मुझे जगत् तक पहुँचा कर सकता है!

वो... मैं जगत् के बारे में सोच रही थी!







और कुछ ही  
पलों के बाद-

कहो भारती!  
क्या काम है  
तुमसे?

जगाराज!  
बहुत अकरी  
काम है तुमसे?

तुम्हें मेरा अंन  
करना है!

जमीन!

हां, जमीन!  
तुम्हें ये तो पता  
नहीं कि तुम्हें अपनी  
भूरी रबाय फिर से  
कैसे पा ली, लेकिन ये  
अच्छ ही है। मैं तुम्हें  
इसी रूप में जारना  
चाहती थी!

अब ये बाहल मेरी  
छिना बनेगा! और  
तुमको अग्नि में डूँगी!

जमीन! ये... ये  
क्या कर रही हो? मुझे  
तुम्हें स्मरो मत! मत  
स्मरो!



मिहिरिडा! और  
मिहिरिडा नगराज!  
मेरी डरी हुई आवाज  
सुनकर तुम्हें बड़ी  
तसल्ली मिल रही  
है!

लेकिन तुम्हें स्वतंत्र  
करके मुझे और भी  
तसल्ली मिलेगी!

हा हा हा! मैंने  
सब का आवाज सुनी  
की!

सब का आवाज!

लेकिन इस चक्कर में  
पंच न्याय की कार का भी  
सत्यानाह कर डाला!

नगराज... न... न  
यहां है तो वो कौन  
था?

मेरी कैचुली थी!  
पर आवाज मेरी  
ही थी!

तुम्हारा असली  
रूप देखने के लिए  
ये शहक मुझे करना  
ही पड़ा!

अब बताओ!  
असली भारती  
कहाँ है?

भारती की छोट और अपनी  
चिन्ता कर नगराज! मेरे सामने  
आकर तू अपनी सोन तक खुद चलेकर  
आ गया है! इस झुक्तिहीन हालत में नकीन  
तुम्हें बचपन की तरह समझ देगी!

ले कास मिथाइल  
नहीं कर पाया, इसमें  
मैं पूरा कहेगी!

अब मैं सब समझ गया!  
आपार को तुमने ही भेजा था!  
और उसका असली मकसद मेहोको  
रुकवाना नहीं, बल्कि मुझे मारना था  
पर वह असफल रहा! और तुमने  
योजना बदल दी! तुमने आपार के  
जिस्म नालाधीठा को मेरा दुश्मन  
बना दिया!



सकदम सही लालराज !  
लालाधीडा के पास से मेरी छात्रियां  
मेरे पास अपने ही जाती हैं ! उसके  
बाद मेरी छात्रियां मेरे छात्रों में  
होंगी, पर हमसे पहले मेरी छात्र  
मेरे छात्रों से बाहर होगी !

सेमा नहीं होता लालराज, अब  
हैं तुम्हें लेकर लालाधीडा के पास  
जाऊँगा और मेरे चक्रे को उनके सामने  
देखकर कर दूँगा !

लालराज पहले से ही  
मुद्रिका में था-

और उसकी मुद्रिका  
अभी और भी बढ़ने वाली  
थी-

यही बांवी  
लालाधीडा के  
निजस तक  
जाती है !

किस्मत साथ  
दे रही है ! अभी तक  
मेरा सामना किसी  
जग से नहीं हुआ  
है :-  
... लेकिन :-

... बाऊ ! क्या जगह है ! इस  
बांवी की तो जगह तक नजर नहीं आ  
रही है ! पर सामने लालाधीडा का महल  
अबदम नजर आ रहा है !



और महल में ही है वह  
न्यायालय ... जो भी है...  
अहाँ पर नागगज की  
डाकियों परबी हैं!

अब वहाँ तक पहुँचने के  
लिए फार्मुला खाने लगना  
पड़ेगा!



धूपने के हर फल में सहिर  
कैकर ग्रहणी नज़ों की नज़र से  
बन्ता हुआ महल के पास  
तक पहुँच गया था-



अब इस काम का  
सुडिकेस चरण शुरू  
होने लगा था-

कैकर को नागगज  
तक पहुँचना था और  
पहरा भंगना होना  
शुरू हो गया था-



नामाधीश निवास में-

लो, न्याय दंड को  
संभालो, उपनामाधीश!  
मैं आवास करने आ  
रहा हूँ!



उचित है नामाधीश! क्योंकि  
इस न्यायदंड को या तो आप  
संभाल सकते हैं, या फिर  
मैं!

पर ये मत भूलना कि  
नागगज और उसमें रबी  
बन्तुओं की रक्षा करने का  
निष्ठा भी उसी का होता  
है जो न्याय दंड को  
धारण करता है!

नागगज तो  
वैसे भी  
मांछित है,  
नामाधीश!  
नागगज  
दंड होने के बाद  
तो कोई नागगज  
धुस ही नहीं  
सकता!



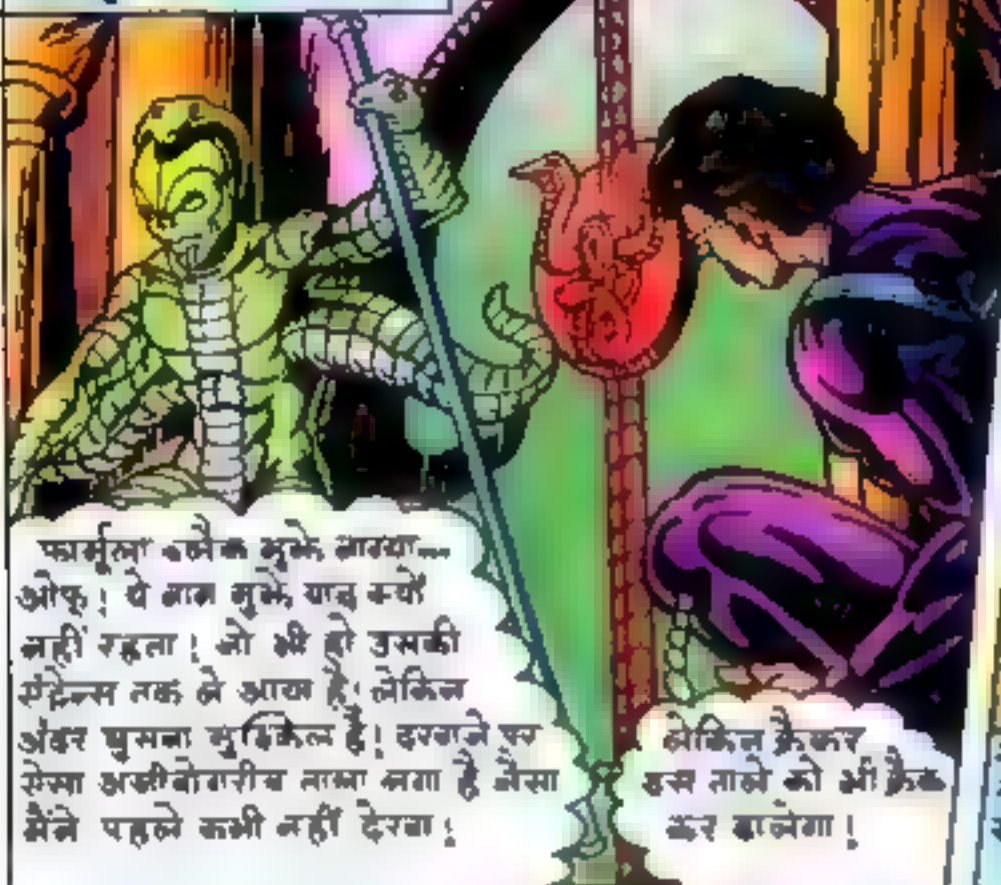
फिर भी!  
सचेत रहना! उसमें  
कोई बुराई नहीं है!

सचेत रहने  
की सलाह  
मही थी-



क्योंकि खतरा जारणलस तक जाने वाली सुरंग के द्वार तक आ पहुँचा था-

मर्यादा



फार्मुला बलैक मुझे बताया... ओफ़! ये नाम मुझे याद क्यों नहीं रहता! जो भी हो उसकी सहेन्स तक ले आया है! लेकिन अंदर घुसना मुश्किल है! दरवाजे पर सेना अडीबोगरीब नामा लगा है जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा!

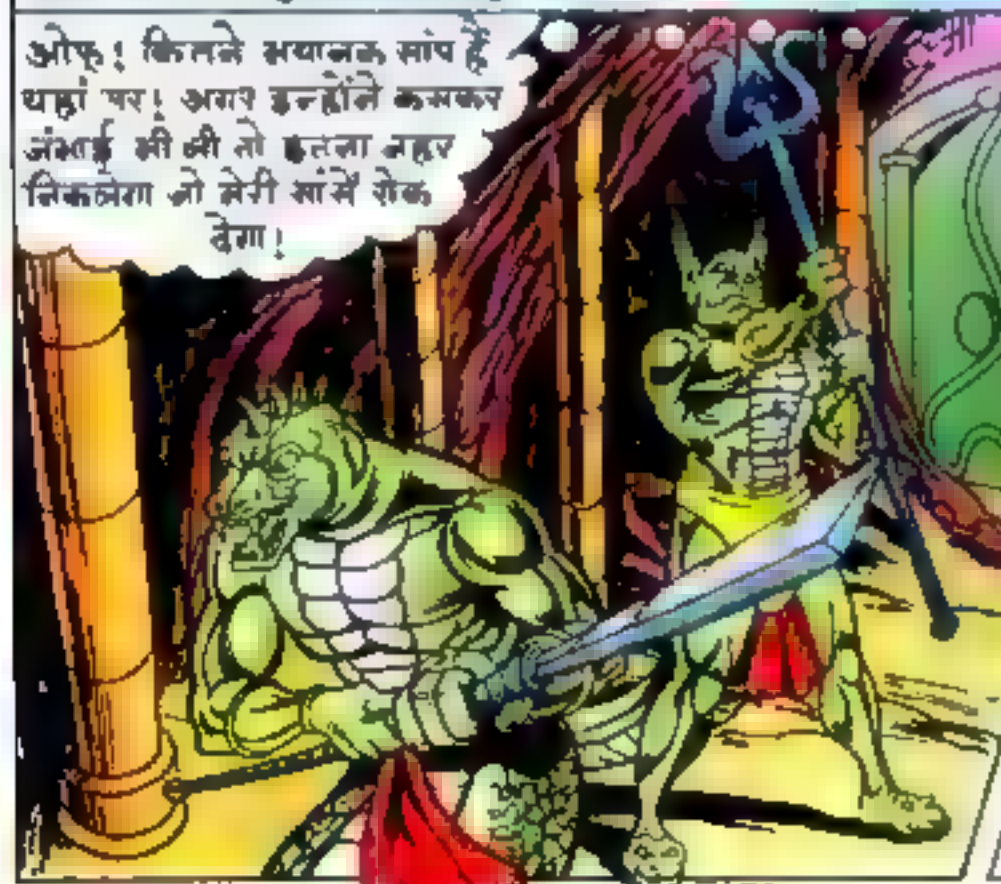
लेकिन कैकर इस ताले को भी कैक कर जानेगा!



कैकर के लिए सचमुच ताले को खोलना ज्यादा मुश्किल नहीं था-

और वही उस सुरंग के अंदर घुसना जो खतरनाक सर्प प्रहरियों से भरी हुई थी-

ओफ़! कितने भयानक साँप हैं यहाँ पर! अगर इन्होंने कसकर जंभाई भी ली तो इतना नहर निकलेगा जो मेरी साँसें रोक देगा!



मुझे मानव गंध आ रही है!

ऊपर देखो एक मानव है!





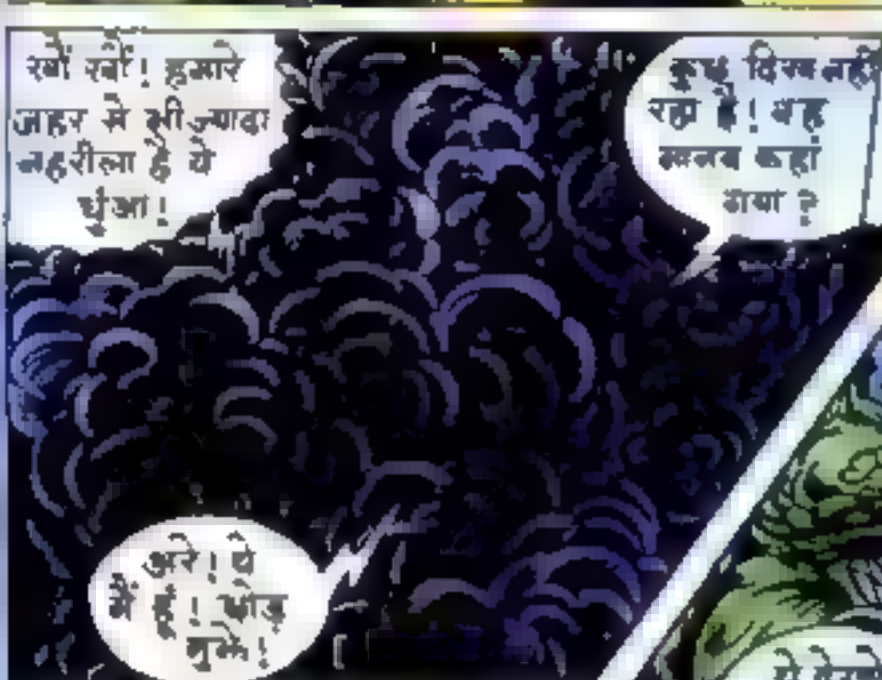
ये यहाँ तक कैसे पहुँच गया ? पकड़ो इसे !

फुंकार भोड़ो !

केकर अब तक नुसको लज्जर नहीं आया था !

अभी भी नहीं आस्ता !

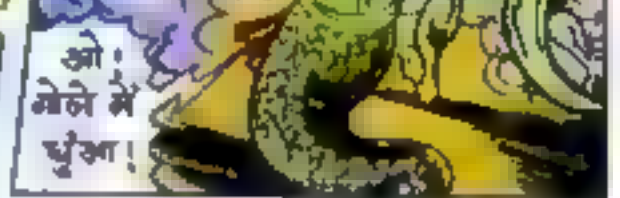
ओ झिट !



रबों रबों ! हमारे जहर से भी ज्यादा नहरीला है ये धुंआ !

कुछ दिख नहीं रहा है ! वह सनब कहाँ गया ?

ओ ! मेले में धुंआ !



और जब धुंआ छंटा -

अरे ! कहाँ गया जोर ?

ये देखो ! उसके पैरों के निशान !

वह बाहर की तरफ भागा है !



बल्लो ! बाहर बसकर पकड़ो उसे !

आओ, जाओ ! थोड़ा ठंडे मौसम तुम्हें कमाल दिखाने दिया !



अब नगरपालिका की इन्जिनियाँ मेरे सामने हैं !

इतनी जल्दी नहीं, सनब !

अभी नुसको उप नगाधीडा से निपटना बाकी है !





मेरी एक कुंआर  
तुम्हें मौत की नींद  
सुला देगी!

हाऽऽऽऽ

ये विष की काट वाली  
गंदी डोट मैं अपने त्रिस  
लेकर आया था। पर इसे  
तुम खा लो!



आऽऽऽ! ये तुने मुझे क्या  
खिला दिया। पेट खराब हो  
रहा है। मुझे कमजोरी लग  
रही है!



आऽऽऽ

जहर ही मुझारी  
झड़ने है। जहर घुटेका  
तो कमजोरी बनेगी  
ही!

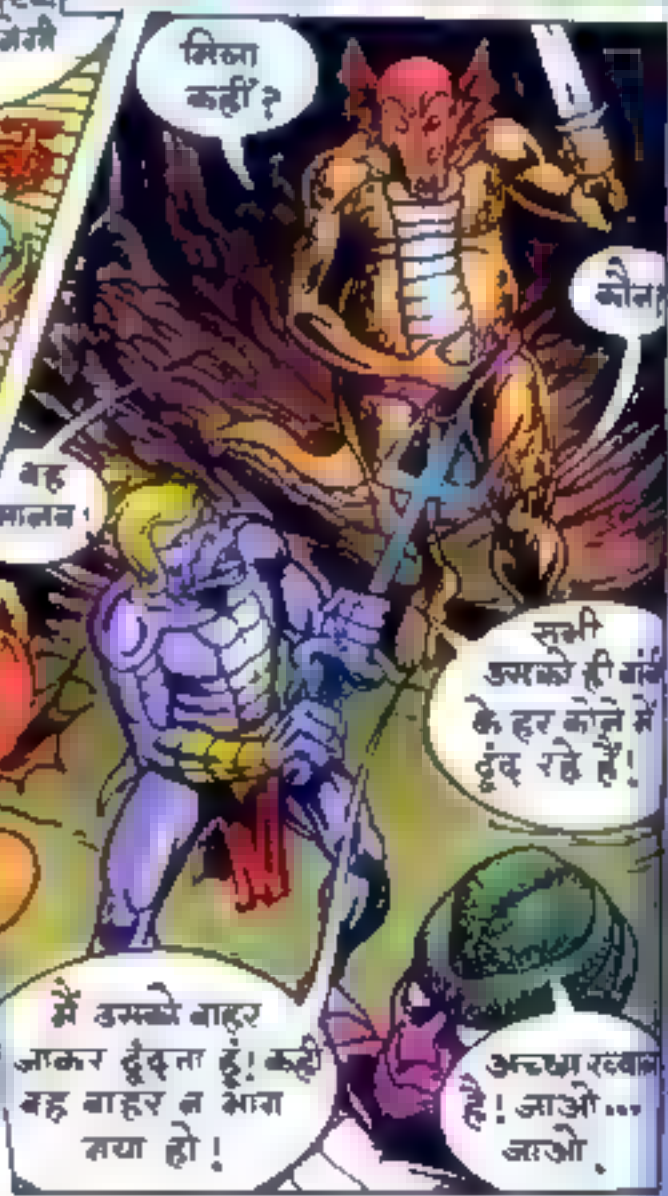
पर तुम...  
बाहर नहीं... जा  
सकते! आऽऽऽऽ

बाहर तो  
मैं जाऊंगा...

बह  
मालूम!



...पर ऐसे  
नहीं फाँसना ज़रा  
के साथ!



मिला  
कहीं?

मौत

सभी  
उसको ही बाँट  
के हर कोने में  
दुंद रहे हैं!

मैं उसको बाहर  
जाकर दूँगा हूँ। कहीं  
वह बाहर न भागा  
जया हो!

अच्छा खबर  
है! जाओ...  
जाओ



नागराज की डाकियों लगी  
तक पहुँचने वाली ही थी-

आइस ह! मैं जानता हूँ कि  
मेरी डाकियों का केन्द्र ये  
मैं मुँह है! इसके अलावा  
होते ही तु नाचिका लड़िका  
से सिर्फ लड़िका रह जायगी!

और मुझे अभी  
भी नाचों का बड़ा में करना  
आता है!

भूल मत कि तु नाचिका लड़िका  
नाच नाचकर नहीं है!

चल! इस दोने  
साथ मिलकर  
इसे मारते हैं!

ठीक है  
कैकय ने  
इसकी  
डाकियों  
भुल ही है

अच्छ किया! मरते-मरते  
नागराज मुझको अपनी  
डाकियों धारण करते हुए  
भी देखेगा!

हो भद्रा  
स्वयं नाचिकाओं  
के सामने  
अकेले नागराज  
कमजोर पड़ने  
लगा था-

सहीना! ये बड़ा  
कर रही है! भूल गई  
नागराज को मारने का  
धिया मुझे लेना है!

मैंने उसे  
यहीं पर कुल  
लिखा है!

धीरे-धीरे  
मरने नागराज! क्योंकि  
कैकय को अभी थोड़ा सा  
बकल और लगेगा!

नागराज  
सच्चाई का  
रूप है पतितो!



... और सचचाई  
कभी नहीं मिलती।

तिबिस्स का  
महान ज्ञान ०  
फैसलेस!

हां, नागराज! अब  
तुम अकेले नहीं हो। और ये रहा  
बहु तिलिस्सी यंत्र जो नागराजों से  
तुम्हारी रक्षा करेगा!

और मिस किल्लर  
की यांत्रिक छवियों से मैं  
जिपट लूंगी... मनमन  
लूंग!

अच्छा हुआ कि मैं जल्दी ही  
होडा में आ गई और बरबाद से ये  
पता चलने ही कि नागराज मेरे साथ  
कप में गया है, मैंने मेटाफाइट  
सिस्टम से कप की स्थिति का पता  
लगाया और यहाँ तक आ पहुँची।

अब मुकाबला बराबर का था-

लेकिन जल्दी ही  
पलड़ा जमीना और  
मिस किल्लर की तरफ  
कूकने लगा था-

मिस  
किल्लर!  
मिस  
किल्लर!

अरे! ये इच्छा-  
धारी साँप कैकर की  
आज्ञा में कैसे बोल  
रहा है!

मैं कैकर ही  
और मैं नागराज  
छवियों ले आया  
पर... पर...



...उप नगाधीश मेरे पीछे पड़ा है।

ओहो!

सिर्फ, उप नगाधीश ही नहीं, नगाधीश भी इस अपराध का ठंड देने वाला पर आ पहुँचा है।

नगरराज की हाकनियाँ मेरे बग़ाले कर दे मानव।

अच्छा हुआ कि तुम खुद आ गये, नगाधीश! वरना मुझे तब तक जेल की तकलीफ़ उठानी पड़ती।



सम्पन्न रहित मत करो नगीना! अन्यथा तुम पर अवमानना का आरोप लग सकता है।

तुम्हारे दिन लट चुके हैं नगाधीश! अब तुम्हारा क़त्ल नगीना बेनी!

ये... ये क्या? मेरा न्याय ठंड मेरे हाथों में धुटकर नगीना के पास चला रहा है! पर क्यों?

क्योंकि तुम अपराधी नगरराज को पूरा ठंड देने में असफल रहे! इसकी नगहाकियाँ तुम्हारी नाक के नीचे से साठव हो गई! और अब इसका ठंड मैं दे रही हूँ! इसीलिए न्याय ठंड मुझे नगाधीश मान रहा है!

और अब जब नगीना नगाधीश बन चुकी है, तब वह तुमको भी तुम्हारी भूल का ठंड देगी! अपराधी नगरराज को सज़ा न दे पाने की सज़ा!



उधार्ड हो नगीना! तुम्हारी योजना सफल रही!

योजना! यानी यह सब रुक पड़्यो ना!



सही जगहों, जगहों पर : अन्-  
पार को सहायता में लेज्जा और  
जागराज को उसकी शक्ति का बलवान  
के मुँह में करना फिर इसके द्वारा  
जागराज की शक्ति का बलवान और  
नुस्तरा बही - याद करना जो हम  
पहले से जानते थे, वह सब मेरी  
शक्ति का हिस्सा था !

अब इसमें मुझे जानने की  
सहायता जागराज की शक्तियों को  
यहां तक जाने के लिए पड़ी, क्योंकि  
जागराज के माध्यम से मैं और  
नुस्तरा अज्ञान के घुस नहीं सकते थे।

अब मेरी शक्तियां समाप्त होकर  
जागराज के पास आ गई हैं,  
जागराज !

नकि मैं  
ले के कर ! जागराज उन शक्तियों  
की शक्तियों मुझे  
दे दे !

बनने के साथ  
साथ जागराज की  
शक्ति का बलवान  
जागराज बन जाऊँ !

जागराज तो तुम ही  
जो के कर को पकड़  
नहीं पाई, जिस  
किलर !

मुझ कहां को  
जागराज ! तुम...  
तुम के कर  
हैं ?

... कि नुस्तरा संबंध जागराज  
की शक्तियों बनाने से है जो मैं  
इस जोरी करने के लिए नेवार  
हो गया जिसमें अन्तर में अस्पर्श  
हो जाना जो मेरी जान की जानी  
और जागराज की भी !

ये शक्तियां  
जिसकी हैं, उसको  
ही मिलेंगी नतीज

ये शक्ति का  
रहा है के कर  
तु जागराज तो  
नहीं हो जा  
हैं ?

मैं जागराज तो तुमको  
पकड़ ही पकड़ लेता !  
जो जोर तुमने सोचा जिस  
के लिए भेजा था इसका  
समय समय चलाकर तुम  
जो सीधा किलर और मुझे  
नुस्तरा हवेसी तक  
पहुँच दिख !

नुस्तरा  
असली शक्ति  
जानने के लिए  
मैं के कर बन  
गया, और जब  
मुझे पता चला

बहु तो  
अभी भी  
जागराज !

जीवन जागराज  
है जो जागराज  
की शक्तियों  
को मेरे बलवान  
कर दे !







सेसा नहीं होना! नगीना  
सक बाल नहीं जानती! उसे  
हर हर नागाधीश अपना कोई  
भी सक निर्णय बदल सकता है!  
और अब मुझे इस अधिकार का  
प्रयोग करना है! नागराज  
को उसकी शक्तियां वापस करके।



श्रुत ने शील को  
नागाशक्तियां  
छोड़ने का आदेश  
दिया -



लेकिन अब तक नागाधीश अपना निर्णय बदल  
सके थे।



और नागराज के शरीर  
में फिर से सत्ता रही हैं!







खैर, अब मैं नागाधीर हूँ! मैं न्यायदंड की मदद से नागराज की शक्तियाँ फिर से रबीच लूँगी!

न्याय दंड! रबीच ले नागराज की शक्तियाँ!

इस आदेश का कोई फायदा नहीं होगा, नगीना!

क्योंकि एक ही अपराध के लिए दो बार दंड नहीं दिया जा सकता है!

लेकिन... उससे क्या फर्क पड़ेगा! नागराज की नागा-शक्तियाँ मुझ पर असर नहीं करेंगी! आखिर मैं नागाधीर हूँ!

मेरी नागाशक्तियाँ तुम पर असर नहीं करेंगी!

और तुम्हारी न्याय शक्तियाँ मुझ पर असर नहीं करेंगी!



इसीलिए मुकाबला बराबर का होगा!

आइए! जल्दी ही पूरा नागाद्वीप मेरी मदद के लिए यहाँ आ जाएगा! फिर ये मुकाबला बराबर का नहीं होगा!

सेसे! उपनागाधीर दंड संभालिए! और इससे पहले कि नगीना इसको कापस रबीच ले, उसको नागवासव के बिरुद्ध बढ़ावा रखने का दंड दे दीजिए!

लेकिन तब तक तुम नागाधीर नहीं रहोगी!

तो कैसे?

ससक्त राधा नागराज!



जलीला, मैं उपलब्ध थी। तुमको जलाधीश सब नगरपालय के बिकरुत पदार्थ रचने के आरोप में बंदी बनाता हूँ। तुम पर मुकुटमा चलेगा और आरोप सिद्ध होने पर तुमको दंड दिया जायगा।

सत्य की ज्वालि उपलब्ध थी। इसीलिए दंड को उसी का साथ देना ही था-



जलीला!

सेसा नहीं हो सकता!

मैं इसको यहाँ से ले जा रही हूँ। लेकिन हम दोनों फिन से वापस आयेंगे। और तुम दोनों को सम्राज के पास तक छोड़कर आयेंगे।



मिस किलर जलीला को लेकर भाग रही है।



उसकी चिन्ता मत करो सम्राज। उसको तो हम दंड भी निकालेंगे और दंड भी देंगे।

फिलहाल तो ये दंड ग्रहण करीबिन जलाधीश।

जलाधीश अब मैं नहीं, तुम हो। हमारी सोच पुरानी हो चुकी है।

नगरपालय को युवा और नई सोच की आवश्यकता है। और जला मंदिर के नियमों को भी बदलने की आवश्यकता है।



ताकि जला न्याय सम्राज जैसा का साथ दे।

जलीला जैसा के हाथों की कह-पुतली न बन जाय।